सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 329 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 12 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बिलासपुर -दिल्ली फ्लाइट की दिल्ली में इमरजेंसी-लैंडिंग

रायपुर। बिलासपुर से प्रयागराज होते हुए दिल्ली जा रही अलायंस एयर की फ्लाइट में शुक्रवार दोपहर हवा में तकनीकी खराबी आ गई। मेरठ के पास पायलट को एक इंजन में खराबी का पता चला। उसने तुरंत दिल्ली एयर ट्रैफिक कंट्रोल को जानकारी दी और इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। पायलट की सूचना के बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। रनवे पर दमकल और एंबुलेंस समेत जरूरी इंतजाम किए गए। दोपहर करीब 2:15 बजे विमान को सुरक्षित उतार लिया गया। फ्लाइट में क्रू मेंबर्स समेत 40 लोग सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। अब डीजीसीए ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

पूर्व सीएत हरीश रावत ने कांग्रेस के सभी पदों से दिया इस्तीफा

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कांग्रेस में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला उनके PA चंदन सिंह जीना के ठिकाने पर ED की छापेमारी के एक दिन बाद आया है। रावत ने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनकी वजह से कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे संघर्ष पर कोई सवाल उठे। उन्होंने फेसबुक पोस्ट के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी। हरीश रावत ने कहा कि उनके सहयोगी के घर से नकदी और जेवर बरामद होने के जो दावे टीवी पर दिखाए जा रहे हैं, उनका सच जांच के बाद ही सामने आएगा। उन्होंने चंदन सिंह जीना को अपना पुराना सहयोगी बताते हुए कहा कि अगर भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी का कोई भी आरोप साबित होता है, तो यह उनके लिए शर्मिंदगी की बात होगी, हालांकि उन्हें ऐसे आरोपों पर बिल्कुल यकीन नहीं है।

तहसीलदार के निलंबन पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कांकेर में पदस्थ तहसीलदार माया अंचल लहरे के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी है। शासन ने 16 जुलाई 2026 को उन्हें निलंबित किया था। हाईकोर्ट ने मामले में संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामला रायगढ़ के पुसौर तहसील में तहसीलदार रहते हुए सरकारी जमीन के रिकॉर्ड में बदलाव से जुड़ा है। आरोप है कि माया अंचल लहरे ने 28 अक्टूबर 2020 को पुसौर की खसरा नंबर 16/2ख की 'छोटे झाड़ के जंगल' मद की सरकारी जमीन को राजस्व रिकॉर्ड से हटाकर आनंद राम का नाम दर्ज करने का आदेश दिया था।

एक्ट्रेस अमीषा पटेल की मां के 5 लाख के डायमंड कंगन चोरी

मुंबई। एक्ट्रेस अमीषा पटेल बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर चर्चाओं में हैं। हाल ही में उनकी मां के घर से करीब 5 लाख कीमत के डायमंड जड़ित कंगन चोरी हुए थे। अब इस मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कंगन चोरी मामले में कई महीनों बाद पुलिस ने उनकी 40 साल की घरेलू सहायिका को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब चोरी हुए गहनों को बरामद करने की कोशिश कर रही है।

जिनपिंग के भारत दौरे से पहले बड़ा एलान: भारत-चीन के बीच फिर शुरू होगी सीधी उड़ान

नईदिल्ली ए.। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भारत पहुंचने से पहले चाइना सदर्न एयरलाइंस ने शनिवार को घोषणा की कि वह 21 सितंबर से ग्वांगझू-नई दिल्ली रूट पर नियमित यात्री उड़ान सेवा फिर से शुरू करेगी। एयरलाइन के मुताबिक, सेवा बहाल होने के बाद वह दक्षिण एशिया में अपने आठ राउंड-ट्रिप रूट पर हर सप्ताह 100 से अधिक उड़ानों का संचालन करेगी। इससे दोनों देशों के बीच कारोबार, पर्यटन और आवाजाही को भी गति मिलने की उम्मीद है।

भारत और चीन के बीच नियमित हवाई संपर्क को 2020 में कोरोना महामारी के बाद बड़ा झटका लगा था। महामारी के चलते अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए थे, इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव से सामान्य हवाई सेवा बहाल नहीं हुई।

सीमा तनाव का असर

कोविड प्रतिबंध हटने के बाद भी भारत और चीन के बीच सीधी यात्री उड़ानें सामान्य नहीं हो सकीं। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और कूटनीतिक तनाव का असर व्यापार और लोगों की आवाजाही पर भी पड़ा। ऐसे में चाइना सदर्न का ग्वांगझू-नई दिल्ली रूट फिर शुरू होना केवल विमान सेवा की बहाली नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच धीरे-धीरे लौटती व्यावहारिक भागीदारी का संकेत भी माना जा रहा है

दक्षिण एशिया में बढ़ाएगी परिचालन

एयरलाइन ने कहा है कि नई दिल्ली सेवा शुरू होने के बाद दक्षिण एशिया में उसके आठ राउंड-ट्रिप रूट पर हर सप्ताह 100 से ज्यादा उड़ानें संचालित होंगी। नई सेवा से चीन जाने वाले भारतीय यात्रियों के साथ-साथ चीन से भारत आने वाले कारोबारी, पर्यटक और अन्य यात्रियों को सीधा हवाई संपर्क मिलेगा। लंबे अंतराल के बाद सीधी उड़ानें शुरू होने से यात्रा का समय और कनेक्टिंग फ्लाइट पर निर्भरता भी कम हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में कालोनाइजर्स पर कार्रवाई तेज सरकार के हक में आई 10.10 एकड़ जमीन

अनियमितता पाए जाने पर कॉलोनाइजर का लाइसेंस निरस्त, ईडब्ल्यूएस बनने का रास्ता साफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए निर्धारित भूमि में अनियमितता के मामलों को लेकर छत्तीसगढ़ में कालोनाइजर्स पर कार्रवाई तेज कर दी गई है। राजधानी रायपुर से लेकर सभी जिलों में इस पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रायगढ़ जिला कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर चल रही जांच और कार्रवाई का असर महज तीन दिनों में सामने आया है। रायगढ़ और पुसौर तहसील में जांच के बाद करीब 10.10 एकड़ ईडब्ल्यूएस भूमि शासन के हक में उपलब्ध कराई गई है। इसमें रायगढ़ तहसील की 6.40 एकड़ और पुसौर तहसील की 3.70 एकड़ भूमि शामिल है।

कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रायगढ़ द्वारा दोनों तहसीलों में कॉलोनी विकसित करने

वाले कॉलोनाइजरों को वैधानिक नोटिस जारी किए गए। इसके साथ ही ईडब्ल्यूएस भूमि से संबंधित अभिलेखों, भू-अभिलेखों और भूमि के लेखा-जोखा की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान तहसील रायगढ़ के ग्राम पण्डरीपानी पूर्व, बड़े अतरमुड़ा, बेन्द्राचुआं, खैरपुर और गोपालपुर में 7 खसरा क्रमांकों के अंतर्गत करीब 6.40 एकड़ तथा तहसील पुसौर के ग्राम पुसौर, छींच और गढ़उमरिया में 4 खसरा क्रमांकों के अंतर्गत करीब 3.70 एकड़ ईडब्ल्यूएस भूमि उपलब्ध हुई है।

कॉलोनाइजर का लाइसेंस निरस्त

जिला प्रशासन ने ईडब्ल्यूएस भूमि से जुड़े मामलों में जांच के साथ-साथ नियमानुसार कार्रवाई भी शुरू कर दी है। तहसील रायगढ़ के बड़े अतरमुड़ा स्थित एक कॉलोनी के कॉलोनाइजर के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने उसका कॉलोनाइजर लाइसेंस निरस्त कर दिया है। साथ ही संबंधित भूखंडों के क्रय-विक्रय पर स्थगन आदेश भी जारी किया गया है।

ईडब्ल्यूएस की भूमि पर अनियमितता नहीं होगी बर्दाश्त

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ईडब्ल्यूएस के लिए निर्धारित भूमि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हितों की रक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रावधान है। इस भूमि का निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कॉलोनाइजरों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ईडब्ल्यूएस भूमि को शासन के हक में सुरक्षित कराने की प्रक्रिया के साथ-साथ जिले में ऐसे अन्य मामलों की भी जांच और आवश्यक कार्रवाई लगातार जारी है। प्रशासन की इस कार्रवाई से ईडब्ल्यूएस भूमि के संरक्षण के साथ ही कॉलोनाइजरों में नियमों के पालन को लेकर स्पष्ट और सख्त संदेश गया है।

देशभर में एमबीबीएस की 13,186 सीटें बढ़ीं, 1.40 लाख के पार पहुंचीं संख्या

छत्तीसगढ़ में बढ़ी एमबीबीएस की 645 सीटें

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मेडिकल सीटों की संख्या में इजाफा किया गया है। देशभर में 13,186 सीटें बढ़ीं जिसमें से छत्तीसगढ़ में 645 बढ़ाई गई हैं। यह सीटें सरकारी व निजी कॉलेजों को जोड़कर है।

बता दें मेडिकल कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया के बीच राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने संशोधित सीट मैट्रिक्स जारी कर दी है। नई सीट मैट्रिक्स के मुताबिक, अब देश में एम्स जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों को छोड़कर एमबीबीएस की कुल 1,40,214 सीटें हो गई हैं। इनमें 61,185 सरकारी सीटों में 2,786 की बढ़ोतरी हुई है, जबकि निजी मेडिकल कॉलेजों की 65,843 सीटों में 10,400 सीटें बढ़ी हैं। देश में सबसे ज्यादा एमबीबीएस की सीटें कर्नाटक में बढ़ाई गई हैं। यहां 1,650 नई सीटें जोड़ी गई हैं। इसके बाद तमिलनाडु में 1,250 और बिहार में 1,240 सीटें बढ़ी हैं। नई सीटें जुड़ने के बाद कर्नाटक में एमबीबीएस की कुल 15,745 सीटें हो गई हैं। वहीं, तमिलनाडु में कुल सीटों की संख्या बढ़कर 14,299 हो गई है।

राजस्थान में एमबीबीएस की 1,100 नई सीटें जोड़ी गई हैं। इसके बाद यहां कुल 8,280 सीटें हो गई हैं। तेलंगाना में 1,010 सीटें बढ़ी हैं और अब यहां कुल 10,450 एमबीबीएस सीटें हैं। पश्चिम बंगाल में 975, महाराष्ट्र में 550 और आंध्र प्रदेश में 525 सीटें बढ़ाई गई हैं झारखंड और मध्य प्रदेश में एमबीबीएस की 520-520 सीटें बढ़ाई गई हैं। हरियाणा में 350, केरल में 300 और गुजरात में 250 सीटों का इजाफा हुआ है। पुडुचेरी और उत्तराखंड में 200-200, जबकि जम्मू-कश्मीर में 175 नई सीटें जोड़ी गई हैं। असम, ओडिशा और सिक्किम में 100-100 एमबीबीएस सीटें बढ़ाई गई हैं। चंडीगढ़, गोवा, पंजाब और त्रिपुरा में 50-50 सीटों का इजाफा हुआ है। मणिपुर में 25 सीटें बढ़ी हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश में सिर्फ एक नई एमबीबीएस सीट जोड़ी गई है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आए दो युवक एक की मौत और दूसरा अस्पताल में भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के बोरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोहंदी गांव आकाशीय बिजली दो लोगो को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे युवक को घायल हो गया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसकी हालत सामान्य बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को मूसलाधार बारिश हो रही थी। इसी दौरान दुर्ग-खैरागढ़ मुख्य मार्ग पर मोहंदी मोड़ के पास सड़क से गुजर रहे दो युवक बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरी और दोनों युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना

में एक युवक की मौत हो गई, जिसकी पहचान गजराज साहू 30 वर्ष निवासी मोहंदी गांव के रूप में की गई है। वहीं घायल युवक राजनांदगांव के बताया जा रहा है, जिसका इलाज दुर्ग जिला अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलते पर लिटिया चौकी पुलिस मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर विवेचना में जुट गई है।

जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह में जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर ढेर

जम्मू। डोडा जिले के भद्रवाह स्थित सेओज धार इलाके में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मारे गए जैश-ए-मोहम्मद के एक पाकिस्तानी आतंकी कमांडर का शव बरामद किया। आतंकी को पहले एक संयुक्त अभियान के दौरान मार गिराया गया था। एसओजी डोडा, राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और सीआरपीएफ की टीम ने तलाशी अभियान के दौरान आतंकी के शव बरामद किए। मुठभेड़ स्थल से अमेरिकी निर्मित एम4 राइफल भी बरामद हुई है। सुरक्षाबलों ने बरामद शव और हथियार को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर रही। सुरक्षाबलों की ओर से इलाके में अभियान और तलाशी की कार्रवाई जारी है।

मेडिकल स्टोर्स में मिली एक्सपायरी दवाइयों की बड़ी खेप, प्रशासन ने तत्काल बंद कराए दो प्रतिष्ठान

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। राजस्व विभाग और खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम ने दो मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया और एक्सपायरी डेट की दवाइयां अधिक संख्या में पाए जाने पर प्रतिष्ठानों को तत्काल बंद कराया गया। मिली जानकारी अनुसार जिले में नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित औषधियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा मेडिकल स्टोर्स एवं औषधि प्रतिष्ठानों की नियमित जांच की जा रही है। इसी क्रम में राजस्व विभाग और खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम ने छोटा चौक स्थित मां अंगारमोती मेडिकल स्टोर एवं

श्रीसाईं मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान दोनों मेडिकल स्टोर्स में एक्सपायरी डेट की दवाइयां अधिक संख्या में पाए जाने पर टीम द्वारा गंभीरता से कार्रवाई की गई। औषधियों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा से जुड़े इस प्रकार के मामलों को देखते हुए दोनों प्रतिष्ठानों को तत्काल बंद कराया गया। साथ ही संचालकों को निर्देशित किया गया है कि विभागीय नोटिस का जवाब प्रस्तुत करने, पाई गई अनियमितताओं में आवश्यक सुधार करने तथा विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त होने तक दोनों प्रतिष्ठानों का संचालन नहीं किया जाए।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मेडिकल स्टोर्स में एक्सपायरी डेट की दवाइयों का नियमानुसार निस्तारण अत्यंत आवश्यक है। ऐसी दवाइयों का विक्रय अथवा मरीजों तक पहुंचना गंभीर स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न कर सकता है। प्रशासन द्वारा औषधि प्रतिष्ठानों में दवाओं के भंडारण, बिक्री एवं अन्य प्रावधानों के पालन की जांच आगे भी जारी रखी जाएगी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। मेडिकल स्टोर्स संचालक यह सुनिश्चित करें कि एक्सपायरी डेट की दवाइयां बिक्री योग्य दवाइयों के साथ न रखी जाएं।

संपादकीय

नस्लभेदी अमेरिका

भारतीयों को निशाना बनाने के ओछे हथकंडे

यूं तो ट्रंप प्रशासन भारतीयों को नस्लीय आधार पर निशाना बनाने का मौका कभी नहीं छोड़ता, लेकिन हाल ही में अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी यानी डीएचएस द्वारा जारी एक विवादित विज्ञापन ने उसकी संकीर्ण सोच को ही उजागर किया है। हालांकि, अमेरिका के हिंदू,सिख संगठनों और डेमोक्रेट नेताओं द्वारा पुरजोर विरोध करने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया वह विज्ञापन हटा लिया गया, जिसमें 'मिस्टर सिंह' को निशाना बनाया गया था। निश्चित रूप से इस अप्रिय घटना को सिर्फ एक पोस्ट हटाने के बावजूद नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरे अर्थों में यह अमेरिका में भारतीयों को लगातार निशाना बनाने की लगातार की जा रही कोशिशों का ही हिस्सा भर है। दरअसल, अमेरिका में बिना लाइसेंस वाले कमर्शियल ड्राइवरों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत जारी इस विज्ञापन में एआई के जरिये बनाई गई, एक दाढ़ी वाले गेहुंआ रंग के व्यक्ति की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ अभद्र भाषा के साथ चेतावनी वाला संदेश भी लिखा गया था– 'हमारी सड़कों से हट जाओ, तुम्हें गाड़ी चलाना नहीं आता, मिस्टर सिंह।' उसके बाद धमकी दी गई थी, 'खुद देश छोड़कर चले जाओ या अंजाम भुगतो।' दशकों से पूरी दुनिया की सरकारों को मानवता, धर्मनिरपेक्षता, मौलिक अधिकार, समरसता जैसे भारी-भरकम शब्दों के जरिये अस्थिर करने के प्रयासों में लगा अमेरिका अपनी इस कवायद से बेनकाब होता नजर आया है। स्वाभाविक रूप से इस विज्ञापन के सामने आने के बाद भारतीय-अमेरिकियों और सिख संगठनों के साथ-साथ डेमोक्रेट नेताओं ने भी इस पोस्ट को नस्लवादी और भेदभावपूर्ण बताकर घोर निंदा की है। इसमें दो राय नहीं कि आप्रवासन कानून को लागू करने या खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में कुछ भी गलत नहीं है। असल में, जब लापरवाही या आपराधिक व्यवहार के कारण मौतें होती हैं, तो सरकारों का यह भी कर्तव्य होता है कि वह कार्रवाई करें। लेकिन कानून का पालन व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर होना चाहिए न कि उसकी जाति, रूप-रंग, धर्म या उपनाम के आधार पर किया जाए।

> "दरअसल, अमेरिका में बिना लाइसेंस वाले कमर्शियल ड्राइवरों के खिलाफचलाये जा रहे अभियान के तहत जारी इस विज्ञापन में एआई के जरिये बनाई गई, एक दाढ़ी वाले गेहुंआ रंग के व्यक्ति की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ अभद्र भाषा के साथ चेतावनी वाला संदेश भी लिखा गया था– 'हमारी सड़कों से हट जाओ, तुम्हें गाड़ी चलाना नहीं आता, मिस्टर सिंह।' उसके बाद धमकी दी गई थी, 'खुद देश छोड़कर चले जाओ या अंजाम भुगतो।'

इसमें दो राय नहीं है कि भारतीय व अन्य प्रवासियों ने अपने खून-पसीने से अमेरिका की समृद्धि को सींचा है। उनकी समृद्धि अथक प्रयासों व कड़ी मेहनत का फल है जो आज गोरे अमेरिकनों को रास नहीं आता। अब तक भारतवंशियों का विरोध अमेरिका में गुपचुप ढंग से होता था, ट्रंप के शासनकाल में वह खुलकर सामने आने लगा है। अमेरिका की एक जिम्मेदार फेडरल एजेंसी डीएचएस जब इस तरह का कृत्य करती है तो यह शर्मनाक ही कहा जाएगा। उसके विज्ञापन में भारत में आदर से लिये जाने वाले 'सिंह' उपनाम का दुर्भावना से प्रयोग किया जाना विशेषकर चिंता की बात है। यह उपनाम सिखों में आम है और कुछ हिंदू भी इसका प्रयोग करते हैं। इस शब्द को गैर-कानूनी आप्रवासन या खतरनाक ड्राइविंग से जोड़ने से एक आम सांस्कृतिक पहचान को एक मजाक में बदले जाने का खतरा पैदा होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि सिख समुदाय को 9/11 के हमलों के बाद लगातार नफरत प्रेरित अपराधों का सामना करना पड़ा था। उनकी पहचान को अज्ञानतावश हमलावरों से जोड़ कर देखा जा रहा था। इस समुदाय के लिये यह दंश झेलना बेहद कष्टकारी रहा है। डीएचएस यह दलील दे सकता है कि इस अभियान का मकसद गंभीर अपराधों के आरोपी विदेशी नागरिकों से जुड़े कुछ खास मामलों को उजागर करना था। यदि ऐसा है तो इन मामलों की जांच होनी चाहिए। साथ ही जहां जरूरी हो, वहां कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए। लेकिन किसी व्यक्ति विशेष की गलत हरकत को पूरे समुदाय पर शक करने की वजह नहीं बनाया जा सकता। निस्संदेह, सरकारों को लोगों की सुरक्षा को बढ़ावा देना चाहिए और कानूनी तौर पर होने वाले आव्रजन में मदद करनी चाहिए- न कि पूरे समुदाय का मजाक उड़ाकर बदनाम करना चाहिए। अमेरिका को चाहिए कि वह अपने कानूनों को निष्पक्ष रूप से लागू करे। सभी नागरिकों पर एक ही नियम-कानून लागू होने चाहिए। अब चाहे उनका सरनेम, धर्म, त्वचा का रंग या मूल नागरिकता किसी भी देश की हो।

अनसुनी न करें हिमालय की चेतावनियों को

दिनेश सी शर्मा

क्षेत्रीय स्तर पर, हिमालयी क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग लगभग न के बराबर है। जबकि इन देशों को साथ मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि जलवायु और पर्यावरण से जुड़ी आपदाएं राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानतीं, जैसा कि नेपाल की त्रासदी से पता चला है। सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेकांग जैसी बड़ी नदियां हिमालय से निकलती हैं और कई देशों से होकर गुजरती हैं।

हिमालय लगातार खतरनाक आपदाओं के रूप में एक के बाद एक चेतावनियां दे रहा है—जैसे अचानक बाढ़, हिमस्खलन, ग्लेशियल झील के फटने से आई बाढ़, बादल फटना, भूस्खलन और ज़मीन का बुरी तरह धंसना। हमने केदारनाथ, धौलीगंगा, जोशीमठ, सिक्किम और अब नेपाल में इन्हें होते देखा है, अपने पीछे भारी तबाही छोड़ते हुए।

हर आपदा के बाद, ग्लेशियरों की निगरानी, आरंभिक चेतावनी प्रणालियां विकसित करने, खतरे और जोखिमों की मैपिंग करने और बचाव संबंधी एवं नुकसान कम से कम रखने के उपाय करने की बातें होती हैं। कुछ हफ्तों या महीनों के बाद, शोर-शराबा थम जाता है और सब कुछ पहले की भांति हो जाता है।

हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं से निपटने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की ज़रूरत है, जिसमें वैज्ञानिक शोध, नीति-निर्माण, क्रियान्वयन तंत्र, जन-जागरूकता और समुदाय की भागीदारी शामिल हो। विज्ञान ने हिमालय के पर्यावरण, खासकर ग्लेशियरों और जल प्रणालियों से जुड़ी स्थिति के खतरों के बारे में स्पष्ट राय दी है—कि क्या करने की ज़रूरत है और समझने में क्या कमियां हैं। वैश्विक स्तर पर, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) ने कई रिपोर्टें प्रकाशित की हैं, जिनमें विभिन्न देशों से ग्लेशियरों और पहाड़ी पारिस्थितिकी तंत्र पर शोध के नतीजों को एक साथ लाया गया है।

भारत में, नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर ने रिमोट सेंसिंग तस्वीरों का इस्तेमाल करके भारतीय हिमालयी क्षेत्र में कुल मिलाकर लगभग 28,000 ग्लेशियल झीलों में से ज़्यादा जोखिम वाली 7,500 ग्लेशियल झीलों की मैपिंग की है। साथ ही, खतरनाक हो सकने वाली ग्लेशियल झीलों से बनने वाली बाढ़ की संभावना भी तैयार की है। इसमें बाढ़ का खतरा और अगर ये झीलें कभी टूटती हैं, तो नीचे बसे इलाकों तक बाढ़ की लहरें पहुंचने में लगने वाले संभावित समय का ब्योरा भी दिया गया है।

इस साल मार्च में, काठमांडू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) ने दो अहम रिपोर्टें प्रकाशित कीं— '1990 से 2020 तक हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों की बदलती गतिशीलता' और 'एचकेएच ग्लेशियर आउटलुक 2026: हिमालयी ग्लेशियरों की 50 साल की निगरानी से मिली जानकारी।'

इन रिपोर्टों के नतीजे चिंताजनक हैं। पहली रिपोर्ट हिंदू कुश क्षेत्र के 63,761 ग्लेशियरों के डेटा पर आधारित थी, जो 55,000 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा इलाके में फैले हैं और जिनमें अनुमानित 5,700 क्यूबिक किलोमीटर बर्फ का भंडार है। विश्लेषण से पता चला है कि इस इलाके में ग्लेशियर 1990 से लगातार सिकुड़ रहे हैं, जिससे कुल ग्लेशियर क्षेत्र में 12 प्रतिशत की कमी आई है और बर्फ के अनुमानित भंडार में 9 फीसदी की गिरावट हुई है।

ग्लेशियर सिकुड़ने की रफ़्तार सबसे ज़्यादा 2010 और 2020 के बीच बढ़ी, खासकर पूर्वी और मध्य हिस्सों में। सिंधु नदी बेसिन के ग्लेशियर क्षेत्र में 6 फीसदी की कमी आई, जबकि गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में क्रमश: 21 और 16 प्रतिशत की कमी देखी गई। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि ग्लेशियर के इस तरह सिकुड़ते जाने का सीधा नतीजा सूखे के मौसम में पानी की कमी और ग्लेशियल झील के टूटने से बनी बाढ़, हिमस्खलन, भूस्खलन और मलबे के बहाव जैसे जोखिम होंगे।

निगरानी किए गए 38 ग्लेशियरों पर आधारित दूसरी रिपोर्ट संकेत देती है कि 'हिमालय के क्रायोस्फीयर (बर्फ वाले हिस्से) के कुछ हिस्से ऐसे नाजुक मोड़ के करीब हैं, जिसके बाद उनकी सिकुड़न को रोकना संभव नहीं होगा।' आईसीआईएमओडी के महानिदेशक पेमा ग्यामत्शो का नीति निर्माताओं के लिए सीधा संदेश था—'यह कोई दूर की समस्या नहीं है, बल्कि एक ऐसा संकट है जो वर्तमान में मुंह बाए खड़ा है, और हर गर्मी और मॉनसून में नई आपदाएं आ रही हैं। इस सदी में बर्फ घटने की दर दोगुनी हो गई है।'

नेपाल में बनी नवीनतम आपदा के बाद ये शब्द लगभग भविष्यवाणी जैसे लगते हैं। ग्यामत्शो के अनुसार, 'यह अब अनदेखी की जा सकने वाली वह स्थिति नहीं रही कि अचानक से सामना हो; ये हमारा नया यथार्थ हैं।' ग्लेशियर गतिशीलता विज्ञान और 1974 से इकट्ठा किए गए सैटेलाइट एवं ज़मीनी डेटा के विश्लेषण पर आधारित यह शायद सबसे स्पष्ट चेतावनी थी।

वैज्ञानिक डेटा विश्लेषण से और कार्रवाई न करने के गंभीर नतीजों के बारे में चेतावनी देकर अपना काम कर रहे हैं, लेकिन नीति निर्माता, राजनेता और प्रशासन की प्रतिक्रिया धीमी, बिखरी हुई या उदासीन भी रही है। दुनिया भर में, आईपीसीसी की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया सुस्त रही है, खासकर जब मुख्य मुद्दे को हल करने की बात आए—यानी ग्लोबल वार्मिंग के असर को कम करने के लिए उत्सर्जन में कटौती करना, जो सीधे तौर पर हिमालय को प्रभावित कर रहा है।

क्षेत्रीय स्तर पर, हिमालयी क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग लगभग न के बराबर है। जबकि इन देशों को साथ मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि जलवायु और पर्यावरण से जुड़ी आपदाएं राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानतीं, जैसा कि नेपाल की त्रासदी से पता चला है। सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेकांग जैसी बड़ी नदियां हिमालय से निकलती हैं और कई देशों से होकर गुजरती हैं। उदाहरणार्थ, एक देश में भूस्खलन से दूसरे देश में प्रलयंकारी बाढ़ आ सकती है। कम से कम और कुछ नहीं तो डेटा और जानकारी साझा की जानी चाहिए, तत्पश्चात संयुक्त निगरानी और वैज्ञानिक सहयोग किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर पर भी, नीति-निर्माताओं ने लगातार विज्ञान पर आधारित चेतावनियों को नज़रअंदाज़ किया है। कई आपदाओं के बावजूद, आपदा के जोखिम को कम करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं, और जलविद्युत परियोजनाओं और बड़े बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी है। पिछले साल जुलाई में ग्लेशियर झील के फटने से ल्हेन्दे खोला नदी में आई बाढ़ ने नेपाल के रसुवा-नुवाकोट क्षेत्र में कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचाया था, जो इस बार और बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। त्रिशूली बेसिन में कम से कम 36 जलविद्युत परियोजनाओं पर काम चल रहा है या पूरा होने के अलग-अलग चरणों में हैं। बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों ने इन परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों को व्यवस्थित रूप से नज़रअंदाज़ करके या कम आंककर अपना योगदान दिया है। भारत में भी उन घाटियों और बेसिन में जलविद्युत परियोजनाओं पर काम जारी है, जहां ग्लेशियल झील फटने से बनने वाली बाढ़, हिमस्खलन और मलबे के बहाव की आशंका पूरी-पूरी है।

पर्यावरण की दृष्टि से हिमालय के संवेदनशील क्षेत्र भू-राजनीतिक रूप से भी संवेदनशील हैं, जिनमें भारत, चीन और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र शामिल हैं। इसलिए, सरकारें पर्यावरणीय चिंताओं और चेतावनियों की परवाह किए बिना रणनीतिक उद्देश्यों के लिए बुनियादी ढांचे का विकास करना चाहती हैं। इस क्षेत्र के देश पर्यटन और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे पर कोई लगाम नहीं चाहते।

वैज्ञानिक सबूतों और नीति-निर्माण के बीच की खाई को पाटकर, हम पहाड़ों में आपदाओं के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के टिप्पणीकार हैं।

हम सबकी 'हीरोज़ जर्नी' होती है, बस कहानियां अलग हैं

रश्मि बंसल

पिक्चर देखने का शौक हम सबको है। थिएटर में पॉपकॉर्न के साथ, या फिर अपने घर में पसरे हुए, किसी छोटी या बड़ी स्क्रीन पर। हर पिक्चर में होता है एक हीरो (और हीरोइन) और पहले दस मिनट के अंदर ही हम जान जाते हैं कि इस इंसान को जूझना पड़ेगा, कुछ संघर्ष करना पड़ेगा।

एक हीरो वो है, जिसे सरहद पार करके देश के लिए जासूसी करनी होगी। दूसरा वो है, जिसे अपने मां-बाप और दुनिया से अपना प्यार पाने के लिए लड़ना है। मंजिलें अलग, मगर सवाल वही- इस चैलेंज को स्वीकार करूं या नहीं?

जसकीरत, हमजा बनने से इनकार कर सकता था, लेकिन फिर, 'धुरंधर' पिक्चर कैसे बनती? खैर, ये हो गई फिल्मी बातें।

आपने तीन घंटे आनंद लिया, और सोचा, मैं कोई हीरो थोड़े ही हूं। मेरी तो जिंदगी आम है, घर है और काम है। बॉस का तेवर, प्रोजेक्ट डेडलाइन। सिग्नल तोड़ दिया, लग गया फाइन। मेरी जिंदगी का मकसद आराम। चाहिए मुझे एक पथ आसान। लेकिन आप जो चाहते हो वैसा होता नहीं। आपकी लाइफ में भी कोई न कोई चैलेंज आता है- सवाल आपके सामने वही। आप स्वीकार करेंगे या नहीं?

ये चैलेंज हो सकता है आर्थिक, जैसे कि पढ़ाई पूरी करने के लिए पैसे नहीं। तो फिर क्या आप मायूस होकर पढ़ाई छोड़ देंगे? ऐसी स्थिति में हीरो वो है, जो अपने आप से कहता है- मैं अपनी मंजिल तक पहुंचूंगा। कोई न कोई रास्ता निकालूंगा।

जिस दिन आपने ये ठान लिया, आप निकल पड़े अपनी 'हीरोज़ जर्नी' पर। ये कॉन्सेप्ट मेरा नहीं, ये जोसेफकैम्पबेल नाम के प्रोफेसर ने 1949 में अपनी किताब 'हीरो विद अ थाउजेंड फेसेस' में व्यक्त किया था।

उन्होंने विश्वभर की पौराणिक कहानियों का अध्ययन किया और इस नतीजे पर पहुंचे कि हर संस्कृति की कहानियां ऊपर से अलग हैं, मगर अंदर से एक जैसी हैं। किरदार चाहे हमारे श्रीराम हों या ग्रीस के ओडीसियस, आम जिंदगी छोड़कर उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा। और जब घर लौटे, तो वो पूरी तरह बदल चुके थे।

आप कहेंगे- वो तो ठीक है, पर मैं न तो वनवास में जाने वाला हूं, न कोई युद्ध लड़ने। मैं बस यही कहूंगी कि लड़ना तो आपको होगा, शायद आपकी रणभूमि थोड़ी अलग होगी। एक दिन आप रूटीन चेक-अप के लिए गए, जब रिपोर्ट मिली तो पता चला- कैंसर। तो फिर होती है शुरू एक 'हीरोज़ जर्नी', जो आपने कभी मांगी न थी।

शुरू में आप कराहते हैं- हे प्रभु, मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ? आप अपने आप को असहाय, पीड़ित के रूप में देखने लगते हो। लेकिन जिस दिन आप इस चुनौती को स्वीकार करके, लड़ने का निश्चय करते हैं, आपकी 'हीरोज़ जर्नी' शुरू होती है। आप में नई ताकत उभरेगी, निर्बलता से बलवानता का सफर शुरू होगा।

हां, जीना या मरना आपके हाथ में नहीं तो फिर क्यों हम दु:ख झेलें? शायद इसलिए कि मुश्किल समय हमें वो दिखाता है, जिसकी आराम की जिंदगी में जरूरत नहीं- अपने अंदर की ताकत। लोहे को स्टील बनने के लिए आग से गुजरना पड़ता है। इंसान को भी एक ऐसी आग से गुजरना पड़ता है, जो उसकी आत्मज्योति को फिर से जगा दे।

पैसा, प्रॉपर्टी और पोलिटिक्स की दौड़ में वो ज्योति धीमी पड़ गई है। इसलिए शायद ऊपर वाला थोड़ा-सा तेल छिड़ककर उसे भड़का देता है। डरिए मत, 'हीरोज़ जर्नी' जितनी जोखिम भरी है, उतना ही रोमांचक भी। इस राह पर चलते हुए आपको अचानक मदद मिलेगी, किसी अनजान व्यक्ति से। जैसे श्रीराम को मिले थे किष्किंधा में हनुमान। क्योंकि सृष्टि चाहती है कि हो आपका उत्थान। आप अकेले नहीं, जूझ रहा हर इंसान।

मैंने दु:ख देखे हैं, आपने भी। आपके चाचा, ताऊ, मां-बाप ने भी। मेरा दु:ख मेरे लिए सही है। सृष्टि का नियम यही है। पिक्चर तीन घंटे में खत्म हो जाती है। लेकिन मरते दम तक पिक्चर अभी बाकी है। हीरो वो जो कदम पे कदम बढ़ाता है, भ्रम की दुनिया में न समाता है।

अपनी 'हीरोज़ जर्नी' के बारे में मुझे बताइए। ईमेल द्वारा अपनी कहानी सुनाइए। लिखने से दिल हल्का होता है। मैं इंतजार करूंगी। मैंने दु:ख देखे हैं, आपने भी। आपके चाचा, ताऊ, मां-बाप ने भी। मेरा दु:ख मेरे लिए सही है। सृष्टि का नियम यही है। पिक्चर तीन घंटे में खत्म हो जाती है। लेकिन मरते दम तक पिक्चर अभी बाकी है। हीरो वो जो कदम पे कदम बढ़ाता है, भ्रम की दुनिया में न समाता है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

करेंसी को टिकाऊ बनाने की दिशा में अहम बदलाव

प्रोफेसर पुरेन्द्र रंजन

देश के केंद्रीय बैंक द्वारा छोटे मूल्यवर्ग, खासकर 10 और 20 रुपये, में पॉलिमर यानी प्लास्टिक नोटों के ट्रायल का मकसद टिकाऊ, सुरक्षित और कम लागत वाली करेंसी बनाना है। जो कागज के मौजूदा नोटों से ज्यादा समय तक चले व नकली नोटों का चलन भी रुक सके।

भारत की मुद्रा केवल कागज़, सुरक्षा धागे और स्याही का भौतिक उत्पाद नहीं है; यह देश की संप्रभुता का प्रतीक, रोज़मर्रा के सामाजिक भरोसे का ठोस माध्यम और राज्य की संस्थागत क्षमता का प्रतीक है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा छोटे मूल्यवर्ग,खासकर 10 रुपये और 20 रुपये, में पॉलिमर यानी प्लास्टिक नोटों के बड़े पैमाने पर फील्ड ट्रायल की दिशा में उठाए गए हालिया नीतिगत क़दम देश की मौद्रिक यात्रा में दूरगामी मोड़ हैं। यह पहल नोटों के टिकाऊपन, मुद्रण लागत में कटौती व जालसाज़ी पर अंकुश का वादा तो करती है, लेकिन साथ ही पर्यावरण संतुलन, सामाजिक समावेशिता और करेंसी सुधार की राजनीति पर भी गंभीर विमर्श की मांग करती है।

वैश्विक पटल पर पॉलिमर बैंकनोट्स कोई सर्वथा नया प्रयोग नहीं है। वर्ष 1988 में ऑस्ट्रेलिया से शुरू होकर ब्रिटेन, कनाडा, वियतनाम और नाइजीरिया जैसे देशों ने इसे सफलतापूर्वक अपनाया है। इन देशों में पॉलिमर करेंसी को अपनाने का मुख्य कारण उसका लंबा जीवनकाल और उन्नत सुरक्षा तंत्र रहा है। पारंपरिक कागज़ी नोटों की तुलना में पॉलिमर नोट औसतन तीन से चार गुना अधिक चलते हैं।

भारत में छोटे मूल्यवर्ग के नोटों की स्थिति ज़मीनी स्तर पर अत्यंत दयनीय रहती है। सब्ज़ी मंडी, ऑटो-रिक्शा, चाय की थड़ियों और स्थानीय हाट-बाज़ारों में 10 और 20 रुपए के नोट इतनी तेजी से हाथ बदलते हैं कि उनका औसत जीवनकाल बमुश्किल एक वर्ष ही रह जाता है। पसीने, नमी, धूल और बार-बार

मोड़ने-मरोड़ने के कारण वे जल्द ही फट जाते हैं। रिज़र्व बैंक की 'क्लीन नोट पॉलिसी' के तहत प्रतिवर्ष अरबों की संख्या में कटे-फटे और मैले नोट नष्ट कर उनकी जगह नोट छापने पड़ते हैं। इस प्रक्रिया में भारी वित्तीय संसाधन, विदेशी सबस्ट्रेट यानी नोट-पेपर का आयात और लॉजिस्टिक्स का खर्च शामिल होता है। पॉलिमर नोट पानी, तेल और गंदगी के प्रति प्रतिरोधी होते हैं। इन्हें बार-बार बदलने की दर घटने से केंद्रीय बैंक के मुद्रण खर्च में बड़ी कमी आएगी। इसके साथ ही, पारदर्शी 'विंडो' और जटिल ऑप्टिकल सुरक्षा विशेषताओं के चलते नकली नोटों के संगठित नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाना कहीं अधिक संभव हो सकेगा।

पॉलिमर नोटों का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव भारत की विशाल अनौपचारिक इकोनॉमी पर पड़ेगा। रेहड़ी-पटरी वाले, छोटे दुकानदार, दिहाड़ी मज़दूर और ग्रामीण परिवार रोज़मर्रा के लेन-देन के लिए मुख्य रूप से नकदी पर ही निर्भर हैं। जब किसी आम नागरिक के हाथ में फटा हुआ नोट आता है और बाज़ार में उसे लेने से मना कर दिया जाता है, तो यह सिर्फ आर्थिक हानि नहीं बल्कि रोज़मर्रा की असुविधा और गरिमा पर चोट का कारण बनता है। लंबे समय साफ-साबुत रहने वाले नोट आम जनता को लेन-देन में सुगमता और मानसिक सुरक्षा प्रदान करेंगे।

यह नीतिगत क़दम इस व्यावहारिक सच्चाई को भी स्वीकार करता है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी के अभूतपूर्व प्रसार के बावजूद भारत में नकद लेन-देन पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। डिजिटल भुगतान की बुनियादी सीमाएं हैं—नेटवर्क कनेक्टिविटी, स्मार्टफ़ोन की उपलब्धता और डिजिटल साक्षरता की बाधाएं अभी पूरी तरह दूर नहीं हुईं। प्रस्तावित पॉलिमर नोट कागज़ी मुद्रा के समांतर चलेंगे, जिससे सुनिश्चित होगा कि तकनीकी रूप से वंचित वर्ग वित्तीय प्रणाली के हाशिए पर न छूटे।

हालांकि, पॉलिमर नोटों की चमक के पीछे दो प्रमुख चुनौतियां भी छिपी हैं—पहली पर्यावरणीय और दूसरी सांस्कृतिक व जलवायुगत। पॉलिमर नोट प्लास्टिक आधारित होने के कारण गैर-बायोडिग्रेडेबल हैं। भारत में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और रीसाइक्लिंग का ढांचा अभी भी पूरी तरह संगठित नहीं। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों ने पुराने पॉलिमर नोटों को रिसाइकिल कर उनसे उपयोगी औद्योगिक उत्पाद बनाने की व्यवस्था तैयार की है। यदि भारत समय रहते मुद्रण के साथ-साथ ऐसे नोटों के वैज्ञानिक संकलन और रिसाइक्लिंग का तंत्र विकसित नहीं करता, तो वित्तीय बचत से अधिक बड़ा नुकसान पर्यावरणीय लागत के रूप में सामने आ सकता है।

दूसरी चुनौती भारत की विविध और चरम जलवायु परिस्थितियों से जुड़ी है। भीषण गर्मी, अत्यधिक नमी और धूल भरे माहौल में पॉलिमर नोटों के व्यवहार का ज़मीनी आकलन अनिवार्य है। इसके साथ ही, भारतीय संदर्भ में नोटों के सबस्ट्रेट को सांस्कृतिक और सामाजिक संवेदनाओं के अनुकूल रखना भी आवश्यक शर्त रही है। आम बोलचाल में 'प्लास्टिक' शब्द कई बार कृत्रिमता और अविश्वास से जुड़ जाता है; ऐसे में जनमानस में इन नोटों की प्रामाणिकता और वैधता स्थापित करने के लिए जन-जागरूकता जरूरी होगी।

पॉलिमर नोट महज़ एक तकनीकी या प्रशासनिक सुधार नहीं; वे पारंपरिक कागज़ी मुद्रा और भविष्य की पूर्णत: डिजिटल अर्थव्यवस्था के बीच एक 'संक्रमणकालीन सेतु' की तरह हैं। वे नकद के आधुनिकीकरण का माध्यम हैं, जो यह स्वीकार करते हैं कि डिजिटल युग की ओर बढ़ते हुए भी ज़मीनी हक़ीक़तों और नकद की सामाजिक भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती। इस मौद्रिक सुधार की अंतिम सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि रिज़र्व बैंक और सरकार आर्थिक लाभ, जन-स्वीकार्यता और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के बीच कैसा संतुलन साधते हैं। जब तकनीकी दक्षता और प्रशासनिक पारदर्शिता आम नागरिक के भरोसे से जुड़ेगी, तभी यह बदलाव देश के मौद्रिक इतिहास में एक स्थायी और सार्थक मील का पत्थर साबित हो सकेगा।

लेखक पंजाब विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं।

तोल-मोल के बोल वरना नई पार्टी बन जाएगी

बोल बिगड़ जाएं तो अच्छे नहीं होते। बस, इसलिए है यह सलाह है क्योंकि बोलते हुए कुछ भी ऐसा-वैसा निकल गया तो महाभारत तो पता नहीं होगा कि नहीं होगा, पर एक नई राजनीतिक पार्टी ज़रूर बन जाएगी।

नहीं, यह वैसी सलाह नहीं है जनाब कि बोलने की आज़ादी तो रही नहीं, इसलिए चुप रहो। लब सी लो, खामोश रहो टाइप की। ऐसा कुछ नहीं है। यह ठीक है कि तानाशाही की बात कही जाती है, लेकिन लोग बोल भी तो खूब रहे हैं। बल्कि गालियां दी जा रही हैं, जनाब! प्रधानमंत्रीजी की तो शिकायत यही है कि उन्हें रोज़ गालियां दी जाती हैं। हालांकि यही बात कांग्रेस भी कहती है। बहरहाल, यह सलाह तो कदीमी है न, साहब कि पहले तोलो, फिर बोलो। क्योंकि कहते हैं कि गोली का घाव तो भर जाता है, पर बोली का घाव नहीं भरता। गोली की तरह बोली भी मारी ही जाती है, साहब। कहा तो यहां तक जाता है कि बोली ने ही महाभारत करा दिया था।

इसलिए बोल बिगड़ जाएं तो अच्छे नहीं होते। बस, इसलिए है यह सलाह है क्योंकि बोलते हुए कुछ भी ऐसा-वैसा निकल गया तो महाभारत तो पता नहीं होगा कि नहीं होगा, पर एक नई राजनीतिक पार्टी ज़रूर बन जाएगी। जैसे कॉकरोच जनता पार्टी बन गई। कहा जाता है कि पहले पार्टियां विचारधाराओं और सिद्धांतों वगैरह पर बना करती थीं, टूटा करती थीं और टूटकर फिर बना करती थीं। बल्कि कई बार तो वे बाकायदा दिल की तरह ही टूटा करती थीं कि इस दिल के टुकड़े हज़ार हुए—कोई यहां गिरा, कोई वहां गिरा। लेकिन फिर आम आदमी पार्टी बनी और उसने यह साबित किया कि पार्टी बनाने के लिए विचारधारा या सिद्धांत-विद्वांत की कोई ज़रूरत नहीं है। वह संगठन और कैडर-वैडर बनाने के चक्कर में भी नहीं पड़ी। उसे बस सरकार बनानी थी। सो बनाई।

कहते हैं कि आम आदमी पार्टी वालों ने भी पार्टी इसलिए बनाई क्योंकि उन्हें यह बोली मारी जा रही थी कि राजनीति करने का घणा शौक है तो चुनाव लड़ लो। इधर मुख्य न्यायाधीश महोदय ने युवाओं को कॉकरोच बोल दिया था और देखो, कॉकरोच जनता पार्टी खड़ी हो गई। और ऐसे-वैसे नहीं खड़ी हुई, बल्कि ऐसी जीत हासिल की कि कदीमी पार्टियां और धुरंधर नेता देखते रह गए। बल्कि ताज़ा खबर यह है कि इधर वह टूट भी गई है। बनकर इतनी जल्दी टूटने वाली वह अकेली पार्टी होगी। वैसे लगातार जीत कर टूटने वाली भी वह अकेली ही पार्टी होगी। वरना पार्टियों में टूट हारने के बाद होती है, जैसे तृणमूल कांग्रेस। सबसे ताज़ा उदाहरण वहीं है। अभी लाल किले से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्रीजी ने दिमाग नक्सलों से आगाही दी तो सुना है, एक दिमागी नक्सल पार्टी भी बन गई है। बस, चुप रहो। कोई नई पार्टी न बन जाए।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क विभाग के निर्देश के परिपालन में जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक एक माह का विशेष 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करना, 'विकसित भारत 2047' का सामूहिक संकल्प लेना, केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जारी आदेशानुसार अभियान के सुचारू क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग के लिए जिले के अधिकारियों को नोडल दायित्व सौंपे हैं। नगरीय क्षेत्रों के लिए समस्त निगम आयुक्तों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के मध्य बेहतर समन्वय हेतु अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी को नोडल अधिकारी का प्रभार दिया गया है।

वरिष्ठ नागरिकों एवं प्रेस क्लब के पत्रकारों के लिए 13 सितंबर को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

दुर्ग। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन शाखा दुर्ग द्वारा दुर्ग के ज्येष्ठ नागरिकों एवं दुर्ग प्रेस क्लब के पत्रकार बंधुओं तथा उनके परिवारजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन 13 सितंबर 2026, रविवार को आशीर्वाद भवन, एमआईजी मार्केट, पद्मनाभपुर, दुर्ग में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। शिविर में आम नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा ब्लड शुगर की जांच, ईसीजी, ब्लड प्रेशर सहित आवश्यकतानुसार अन्य चिकित्सकीय जांच एवं मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मानव सेवा फाउंडेशन के रक्तदान शिविर में 55 यूनिट रक्तदान

दुर्ग। मानव सेवा फाउंडेशन छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में गुरुवार 10 सितंबर को भारती विश्वविद्यालय, पुलगांव दुर्ग के भारती आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। विद्यार्थियों एवं अन्य रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा की मिसाल पेश की। शिविर में मानव सेवा फाउंडेशन के कीर्ति कुमार, भारती विश्वविद्यालय के चेयरमैन एवं कुलाधिपति सुशील चंद्राकर, ज्वाइंट डायरेक्टर जय चंद्राकर, रजिस्ट्रार डॉ. वीरेंद्र कुमार स्वर्णकार, प्रभुजोत सिंह भुई, डॉ. आर.पी. अग्रवाल, योगेश देशमुख, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. लोकेश सिंह, डॉ. अनुश्री, डॉ. पूनम राजपूत एवं डॉ. आकांक्षा चंद्रवंशी सहित अन्य उपस्थित रहे। समाजसेवी हिमांशु चंद्राकर ने भी शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री साय ने किया स्वदेशी मेला के पोस्टर एवं ब्रोशर का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वदेशी जागरण फाउंडेशन की इकाई भारतीय विपणन विकास केंद्र द्वारा जगदलपुर, विलासपुर, रायपुर, भिलाई दुर्ग, राजनांदगाव, एवं अंबिकापुर में आयोजित होने वाले इस वर्ष के 'स्वदेशी मेला' के आधिकारिक ब्रोशर और पोस्टर का विमोचन किया।

आयोजको ने बताया कि इस वर्ष स्वदेशी मेले का आयोजन जगदलपुर बस्तर से प्रारंभ होकर अंबिकापुर सरगुजा तक लगभग 10 स्थानों (ज़िलों) मे किया जाएगा। विमोचन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन पूर्व केबिनेट मंत्री एवं बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, डॉ. सुशील श्रीवास्तव, डॉ. प्रफुल्ल शर्मा, गुलशन ऋषि एवं अरुणा दीक्षित, युगबोध अग्रवाल, अमर बंसल, सुब्रत चाकी, दिनेश पाटिल, चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन व अमरजीत सिंह छाबड़ा, विष्णु साव, विनोद डड्ढा एवं योगेश बागड़ी, शंकर सचदेव, विनय सिंह व स्वदेशी जागरण मंच प्रांत के प्रमुख पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने स्वदेशी मेला के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मेलों से स्थानीय कारीगरों, स्व-सहायता समूहों और स्वदेशी उद्योगों को बड़ा प्रोत्साहन मिलता है। भारतीय विपणन विकास केंद्र द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले इन मेलों की तिथियों एवं स्थानों की विस्तृत जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी शंकर सचदेव ने दी।

बीएसपी में सुरक्षा एवं गेट प्रवेश व्यवस्था के आधुनिकीकरण की दिशा में सेजेस-आरएफआईडी स्मार्ट गेट पास प्रणाली का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा एवं प्रवेश प्रबंधन व्यवस्था को तकनीकी रूप से उन्नत बनाने की दिशा में सेजेस (स्मार्ट एक्सेस एंड गेट एंट्री सिस्टम) परियोजना का शुभारंभ किया गया। इस स्मार्ट गेट प्रवेश प्रणाली का उद्देश्य अनधिकृत प्रवेश पर प्रभावी नियंत्रण के साथ-साथ संयंत्र के कर्मचारियों, अधिकारियों एवं अन्य अधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश एवं निकास को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित, सुगम एवं दक्ष बनाना है।

सेजेस परियोजना के अंतर्गत संयंत्र के सभी 12 प्रवेश द्वारों पर आरएफआईडी आधारित स्मार्ट गेट पास प्रणाली लागू की जाएगी। यह आधुनिक प्रणाली वर्तमान गेट पास व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित, सुगम एवं तकनीक-सक्षम बनाने में सहायक होगी तथा प्रवेश प्रक्रिया में पहचान एवं सत्यापन को अधिक सरल और सहज बनाएगी। इससे कर्मचारियों एवं अन्य अधिकृत व्यक्तियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाते हुए गेट प्रबंधन की कार्यप्रणाली को और अधिक दक्ष बनाया जा सकेगा।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने सेजेस परियोजना की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, डीआईजी (सीआईएसएफ) चंदन कुमार झा, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) प्रवीण राय भल्ला, मुख्य महाप्रबंधक (मैनेजमेंट सर्विसेज) रवि शंकर तथा मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने सेजेस परियोजना को बीएसपी की सुरक्षा व्यवस्था के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों एवं केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा किए जा रहे समन्वित प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक प्रभारी (टीएसडी) ए.बी. निवास, महाप्रबंधक प्रभारी (सीएंडआईटी) सु नीना जायसवाल, महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक प्रभारी (एचआर-एलएंडडी) संजीव वास्तव, महाप्रबंधक (मानव संसाधन-संकार्य) संजय द्विवेदी, महाप्रबंधक (सीएंडआईटी) सु सरबानी दास, महाप्रबंधक (सीएंडआईटी) संदीप झा, महाप्रबंधक (टीएसडी) विष्णु पाठक, महाप्रबंधक (मानव संसाधन-आईआर एंड सीएलसी) राजीव कुमार, तथा परियोजना प्रबंधक एवं उप महाप्रबंधक (एएंडडी) मनीष सिंह चौहान सहित भिलाई इस्पात संयंत्र एवं सीआईएसएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सेजेस प्रणाली का प्रमुख उद्देश्य सुरक्षा और सुविधा के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करना है। स्मार्ट तकनीक के माध्यम से कर्मचारियों एवं अन्य अधिकृत व्यक्तियों की आवाजाही को अधिक सुव्यवस्थित किया जा सकेगा, वहीं सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक नियंत्रण भी अधिक प्रभावी बनाए जा सकेंगे। आरएफआईडी एवं फेस-रिकग्निशन आधारित यह प्रणाली प्रवेश के समय पहचान एवं सत्यापन की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाने के साथ-साथ संयंत्र के विभिन्न प्रवेश द्वारों से होने वाली आवाजाही की निगरानी एवं ट्रैकिंग को भी बेहतर बनाएगी।

राज्य स्तरीय शालेय खेलों की ट्रैक साइक्लिंग में बीएसपी साइक्लिंग क्लब के खिलाड़ियों का दबदबा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता ट्रैक साइक्लिंग 2026 का आयोजन वेलोड्रम जयंती स्टेडियम में 31 अगस्त से 03 सितंबर तक कार्यालय संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ के पांच संभाग क्रमशः दुर्ग, बिलासपुर, रायपुर, बस्तर एवं सरगुजा से कुल 150 खिलाड़ी एवं ऑफिशियल्स ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में इंडिविजुअल टाइम ट्रायल, इंडिविजुअल परस्यूट, टीम स्प्रिंट, टीम परस्यूट इवेंट आयोजित हुए जिसमें समस्त इवेंट में स्वर्ण पदक दुर्ग संभाग के मुख्यतः बीएसपी साइक्लिंग क्लब के खिलाड़ियों ने हासिल किए। इस प्रकार कुल 18 इवेंट के 18 गोल्ड, 9 सिल्वर एवं 2 ब्रांज (कुल 29 पदक)दुर्ग संभाग के खाते में आए।

बीएसपी साइक्लिंग क्लब के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर एवं साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के महासचिव विनायक चन्नावार ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि प्रगति भवन ऑफिसर्स एसोसिएशन के सभागार में एक सम्मान समारोह हुआ। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर साइकिलिंग के पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान कर उनका हौसला बढ़ाया तथा आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने को कहा। खिलाड़ियों के इस उपलब्धि पर डॉ. हिमांशु द्विवेदी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साइकलिंग संघ ने विशेष रूप से पदक विजेता खिलाड़ियों को तथा इनके मुख्य प्रशिक्षक प्रतीक मानोध्या अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक तथा मुख्य प्रशिक्षक छत्तीसगढ़ साइकलिंग संघ तथा शालेय टीम के प्रशिक्षक। देव प्रकाश वर्मा को बधाइयां तथा शुभकामनाएं दी।

नाली निर्माण में आ रही बाधाओं का तत्काल निराकरण करें : महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक 13 एवं 25 में आईएएम चौक से अग्रसेन चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर पीडब्ल्यूडी दुर्ग द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य का महापौर अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त लीना कोसम ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए मौके पर आ रही समस्याओं एवं बाधाओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान महापौर एवं आयुक्त ने निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं का तत्काल निराकरण कराने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर उसे लंबित न रखा जाए। संबंधित विभागों से समन्वय कर समस्या का तत्काल समाधान किया जाए, ताकि निर्माण कार्य निर्धारित गति से आगे बढ़ सके।

क्षेत्र में खटाल संचालक द्वारा आसपास गंदगी फैलाए जाने की स्थिति पर महापौर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित संचालक को नोटिस जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महापौर ने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। नोटिस के बाद भी निर्देशों का पालन नहीं करने पर संबंधित के विरुद्ध जुर्माने की कार्रवाई की जाए।

महापौर अलका बाघमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाली निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं का मौके पर ही संज्ञान लेकर उनका शीघ्र निराकरण किया जाए।

चंडी मंदिर में भव्य मंडपम निर्माण का मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर में नागरिकों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों का आज सुबह कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर निरीक्षण किये। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं इंजीनियरों से निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने प्राचीन माँ कुंडस्वरूपा चंडी मंदिर पहुंचकर मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि चंडी मंदिर दुर्ग की आस्था, संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण केंद्र है। मंदिर के संरक्षण के साथ श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना भी हमारी प्राथमिकता है।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने मंदिर परिसर में निर्माणाधीन भव्य मंडपम के कार्य की प्रगति का जायजा लिये। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता, मजबूती और व्यवस्थित स्वरूप को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और कार्य को बेहतर गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण किया जाए।

उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि माँ चंडी मंदिर का गौरवशाली एवं प्राचीन स्वरूप सुरक्षित रहे और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आधुनिक एवं बेहतर सुविधाएं मिल सकें। धार्मिक स्थलों के विकास के साथ उनकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

इसी क्रम में मंत्री गजेन्द्र यादव ने दीपक नगर स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर के नवनिर्माण कार्य का भी निरीक्षण किये। उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी ली तथा मंदिर समिति के सदस्यों से प्रस्तावित व्यवस्थाओं और आगामी कार्यों के संबंध में चर्चा किये।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि धार्मिक स्थल हमारी आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के भी महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इसलिए इनके विकास कार्यों में गुणवत्ता, मजबूती और सुव्यवस्थित निर्माण का विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि सभी कार्य गुणवत्ता के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप और समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को जल्द से जल्द बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल सके। मंत्री श्री यादव ने कहा कि दुर्ग में विकास कार्यों की निरंतर समीक्षा और मौके पर निरीक्षण का उद्देश्य यही है कि जनता के लिए किए जा रहे प्रत्येक कार्य का लाभ समय पर और बेहतर रूप में लोगों तक पहुंचे।

डॉ भगवती के कहानी संग्रह 'राहगीर' का हुआ विमोचन

साहित्यिक समीक्षा प्रशंसा के लिए नहीं बल्कि सीखने-समझने के लिए-गुलबीर भाटिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संधान जन कल्याण समिति के तत्वावधान में बुधवार को साहित्यकार डॉ भगवती साहू के प्रथम कहानी संग्रह 'राहगीर' का विमोचन सिविक सेंटर स्थित भिलाई निवास कॉफी हाउस के सभागार में किया गया। विमोचन समारोह में साहित्य जगत की जानी-मानी हस्तियों, भाषाविदों और साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति रही।

समारोह में साहित्यकारों ने कहानी संग्रह के भाषा शिल्प और सौंदर्य, वैचारिक सरोकारों के साथ ही वर्तमान सामाजिक संदर्भों में उसकी प्रासंगिकता पर सार्थक विमर्श किया। समिति के सचिव एवं शिक्षाविद डॉ देवेंद्र नाथ शर्मा ने स्वागत भाषण में कहा कि किसी भी रचनाकार के लिए उसकी पहली कृति का विमोचन किसी उत्सव से कम नहीं होता। यह उसकी लेखन यात्रा के प्रमाणीकरण का महत्वपूर्ण क्षण होता है। डॉ भगवती साहू ने कहा कि 'राहगीर' में उन्होंने अपने आसपास की घटनाओं को शब्दों में पिरोने का प्रयास किया है। उन्हें विश्वास है कि संग्रह की कहानियां पाठकों के मर्म को अवश्य स्पर्श करेंगी।

सभी अतिथि साहित्यकारों का सम्मान: कार्यक्रम का संचालन कवि शरद कोकास ने किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों एवं कथाकार डॉ भगवती साहू का शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं कुंड पादप भेंटकर सम्मान किया गया। सुरेश सिंह परिहार ने कहानी संग्रह की कहानी 'मेहनत की स्याही से लिखी जीवन की इबारत' का प्रभावपूर्ण वाचन भी किया। समारोह में कवयित्री संतोष झांझी, व्यंग्यकार विनोद साव, लेखिका डॉ अंजना श्रीवास्तव, शायर मुमताज, बाल साहित्यकार कमलेश चंद्राकर, नाट्य निर्देशक विभाष उपाध्याय, विजय दिल्लीवार, शुचि भवि, डॉ अर्चना झा, टी सहदेव, दीपक दास, डॉ रूपमती साहू, शंभू राम साहू, डॉ मेघा साहू, नीलम जायसवाल और विनोद साहू समेत कई साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

अध्यापन और लेखन में बेहतरीन संतुलन

वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव ने अध्यापन के साथ लेखन जारी रखने के लिए डॉ भगवती साहू के साहस की सराहना की। उन्होंने संग्रह की प्रथम कहानी 'गुंजन' की गूंगी पात्र तथा अंतिम कहानी 'कल्पना के बदरंग चित्र' की पात्र हिना के माध्यम से संग्रह की विविधता को रेखांकित किया। डॉ अम्बरीश त्रिपाठी ने कहानी संग्रह की भाषा-शैली और वाक्य विन्यास पर समीक्षात्मक टिप्पणी की। रचनाकार गुलबीर सिंह भाटिया ने कहा कि साहित्यिक समीक्षा केवल प्रशंसा पाने के लिए नहीं, बल्कि कुछ जानने और सीखने के लिए भी होती है। डॉ रमेश अनुपम ने मौजूदा सामाजिक परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हिंसक हो रहे समाज में रचनाकारों की जिम्मेदारी बढ़ गई है । अपनी रचनाओं में समाज की विद्रूपताओं पर गंभीर प्रतिक्रियाओं को रचनाकारों शामिल करना चाहिए । वहीं डॉ अभिनेश सुराना ने कहा कि डॉ भगवती की कहानियों में ग्रामीण परिवेश और शहरी वातावरण का वास्तविक चित्रण देखने को मिलता है।कथाकार लोक बाबू ने प्रथम कहानी संग्रह के लिए डॉ भगवती साहू को बधाई दी ।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

विद्यार्थियों से शिक्षा को समाज और राष्ट्र सेवा से जोड़ने का किया आह्वान

रायपुर। शासकीय नवीन महाविद्यालय लखनपुर में सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को 'दीक्षारंभ कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए और उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंत्री श्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित किया तथा नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। मंत्री श्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश जीवन के एक महत्वपूर्ण पड़ाव की शुरुआत है। विद्यार्थी इस अवसर को केवल पढ़ाई और परीक्षा तक सीमित न रखें, बल्कि अपने व्यक्तित्व, ज्ञान और क्षमताओं के विकास के लिए इसका उपयोग करें।

प्रतिबंधित एक्सोटिक मांगूर मछली के विक्रय पर कार्रवाई

बिलासपुर। मछली पालन विभाग द्वारा प्रदेश में प्रतिबंधित एक्सोटिक मांगूर (क्लेरियस गेरीपिनयस) एवं बिग हेड (हाइपोप्थेलमिक्थीस नोबीलीस) मछलियों के पालन, संवर्धन, आयात, निर्यात, विक्रय, परिवहन एवं विपणन की रोकथाम के लिए लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में मछली पालन विभाग की टीम द्वारा शनिचरी बाजार क्षेत्र में निरीक्षण कर एक्सोटिक मांगूर की मत्स्य बीज जब्त कर कार्रवाई की गई। साथ ही मछली विक्रेताओं को प्रतिबंधित मछलियों की बिक्री नहीं करने की हिदायत दी। एक्सोटिक मांगुर को सामान्यतः थाई मांगुर के नाम से भी जाना जाता है। यह एक आक्रामक मांसाहारी मछली है, जो भोजन के लिए देशी मछली प्रजातियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती है।

हुनर और हौसलों की नई उड़ान : धमतरी की तीन बेटियों ने तोड़ी बंदिशें, एसेम्बल करेंगी 'आई-फोन'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले की तीन बेटियां-संजना साहू, रंजना साहू और निकिता ने अपनी अटूट लगन, कड़ी मेहनत और हुनर के दम पर यह साबित कर दिया है कि अगर सही अवसर और प्रशिक्षण मिले, तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में सफलता का नया इतिहास रच सकती हैं। जिस इलेक्ट्रीशियन ट्रेड को बरसों से पुरुष-प्रधान माना जाता रहा, उसी में तकनीकी महारत हासिल कर इन बेटियों ने वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन (बेंगलुरु) में अपना परचम लहराया है।

अब धमतरी की ये बेटियां बेंगलुरु के हाई-टेक औद्योगिक माहौल में दिग्गज टेक ब्रांड एप्पल के आई-फोन और अन्य आधुनिक उपकरणों की असेंबली करती नजर आएंगी। अपनी इस पहली बड़ी सफलता के साथ तीनों प्रशिक्षुओं को 20 हजार रुपए प्रतिमाह सीटीसी का रोजगार ऑफर मिला है।

जिला प्रशासन और अंबुजा फाउंडेशन के सहयोग से संचालित मधुरिमा गुरुकुल, धमतरी में प्रशिक्षण के दौरान इन तीनों बेटियों ने इलेक्ट्रिकल सिस्टम, व्यावहारिक वायरिंग, मशीनरी के संचालन और औद्योगिक सुरक्षा मानकों की गहरी समझ विकसित की। इस प्रशिक्षण ने न केवल उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाया, बल्कि बड़े औद्योगिक संस्थानों में काम करने का आत्मविश्वास भी दिया। यही आत्मविश्वास आज उन्हें धमतरी के ग्रामीण अंचल से निकालकर देश की टेक-कैपिटल बेंगलुरु तक ले गया है।

धमतरी के महापौर रामू रोहरा ने मधुरिमा गुरुकुल का दौरा किया। महापौर ने बेटियों की सराहना करते हुए कहा कि इलेक्ट्रीशियन जैसे ट्रेड में प्रशिक्षण लेकर फॉक्सकॉन जैसी प्रतिष्ठित कंपनी तक पहुंचना पूरे जिले के लिए बेहद गर्व की बात है।

राज्यपाल रमेन डेका ने विद्यार्थियों से किया संवाद

सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों ने किया लोकभवन का भ्रमण, पढ़ा अनुशासन-आत्मनियंत्रण-परिश्रम का पाठ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से लोक भवन में सैनिक स्कूल अंबिकापुर के विद्यार्थियों ने भेंट की और संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए अनुशासन, आत्मनियंत्रण और कठोर परिश्रम को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें सैनिक स्कूल जैसी उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्था में अध्ययन करने का अवसर मिला है। सैनिक स्कूल में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन, समय की पाबंदी तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व भी सिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि सफलता का आधारभूत बिंदु अनुशासन है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पढ़ाई, नौकरी और करियर को लेकर तनाव एक बड़ी चुनौती है। तनाव का सामना करने के लिए हमें जो प्राप्त है, उसमें संतुष्ट रहना सीखना होगा। अपनी क्षमताओं को पहचानकर उसी के अनुरूप कार्य करना चाहिए। मन को नियंत्रित रखते हुए अपनी योग्यता और ऊर्जा को सही दिशा में लगाएंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी।

राज्यपाल ने कहा कि कठोर परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। योग्यता के साथ यदि निरंतर मेहनत की जाए तो सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने लक्ष्य को निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए पूरी लगन एवं मेहनत से प्रयास करें। गुरुजनों और पालकों की बातों को गंभीरता से सुनें, लेकिन निर्णय लेते समय अपने तर्क और बुद्धि का भी प्रयोग करें। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी 'थिंकिंग प्रोसेस' को हमेशा सक्रिय रखने की सलाह दी।

संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने राज्यपाल से उनके जीवन, करियर और सार्वजनिक जीवन से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। राज्यपाल ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सहजता से उत्तर देते हुए उन्हें अपने संवैधानिक पद के दायित्वों की जानकारी दी तथा अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा के अनुभव भी साझा किए।

इस अवसर पर सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों को लोक भवन का भ्रमण भी कराया गया। इस अवसर पर सैनिक स्कूल अंबिकापुर के शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने साइबर अपराधों के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

श्रीकंचनपथ समाचार

खैरागढ़। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने खैरागढ़ स्थित इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा संचालित 'साइबर जागृति अभियान' के अंतर्गत आयोजित साइबर जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन ठगी के बदलते तरीकों तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक किया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि आज के डिजिटल युग में सजगता और सतर्कता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे मजबूत माध्यम है। डिजिटल तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधों के नए स्वरूप भी सामने आ रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सावधानी बरतना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूक करें।

उन्होंने कहा कि साइबर ठगी से बचने के लिए किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए, अज्ञात व्यक्ति के साथ ओटीपी, पासवर्ड, बैंकिंग अथवा अन्य निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए तथा संदिग्ध कॉल और संदेशों के प्रति सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी एवं सुरक्षित तरीके से उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया।

कार्यक्रम में साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप, ऑनलाइन फ्रॉड के विभिन्न तरीकों, डिजिटल लेन-देन में बरती जाने वाली सावधानियों तथा सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के संबंध में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े विषयों पर संवाद करते हुए अपनी जिज्ञासाएं भी साझा कीं।

इस अवसर पर राजनांदगांव रेंज आईजी अजय यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका ताम्रकार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. लवली शर्मा सहित अधिकारीगण, विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

27 जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों में मिलेगा कौशल विकास का प्रशिक्षण, स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'कौशल भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं कौशल आधारित रोजगार' के विजन तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के ग्रामीण युवाओं, महिलाओं एवं कृषकों को कौशल, स्व-रोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने की प्राथमिकता के अनुरूप इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा प्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से कौशल विकास को सुदृढ़ करने की महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

इसी क्रम में कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन, श्री रामविचार नेताम की प्रेरणा से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के मुख्य आतिथ्य तथा निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस. एस. टुटेजा की अध्यक्षता में निदेशालय विस्तार सेवाएं द्वारा 'कृषि कौशल परिषद, भारत' के सहयोग से '08 से 12 सितम्बर 2026' तक दो बैचों में

'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम' आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम के प्रथम बैच में 41 प्रतिभागियों ने 08 से 10 सितम्बर तक प्रशिक्षण एवं प्रमाणन प्रक्रिया में भाग लिया, जिसमें दो दिवस का गहन प्रशिक्षण तथा तीसरे दिवस मूल्यांकन, परीक्षा एवं मौखिक परीक्षा आयोजित की गई। द्वितीय बैच 10 से 12 सितम्बर तक 42 प्रतिभागियों के साथ प्रारंभ हुआ है। दोनों बैचों के माध्यम से विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सभी 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों' का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को कौशल पारिस्थितिकी तंत्र, योग्यता पैकधाष्ट्रीय व्यावसायिक मानक, प्रशिक्षक दक्षता, वयस्क अधिगम, प्रशिक्षण प्रदान करने की प्रक्रिया एवं मूल्यांकन के साथ उनकी विशेषज्ञता एवं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न कृषि एवं संबद्ध रोजगार भूमिकाओं के लिए तैयार किया जा रहा है।

इनमें मशरूम उत्पादक, जैविक फसल उत्पादक, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादक, सब्जी उत्पादक, मधुमक्खी पालक, वर्मी कम्पोस्ट उत्पादक, नर्सरी तैयारकर्ता, कृषि मशीनरी प्रदर्शनकर्ता, सूक्ष्म सिंचाई तकनीशियन, मत्स्य पालन तथा मुर्गी पालन जैसे रोजगारपरक क्षेत्र प्रमुख हैं।

इस पहल का प्रमुख उद्देश्य केवल प्रशिक्षकों का प्रमाणीकरण नहीं, बल्कि 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों में कृषि कौशल परिषद, भारत द्वारा प्रमाणित मास्टर प्रशिक्षकों का सक्षम समूह विकसित करना है। प्रमाणित होने के पश्चात ये मास्टर प्रशिक्षक मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत संबंधित रोजगार भूमिकाओं में ग्रामीण युवाओं, महिलाओं एवं कृषकों को व्यावहारिक एवं रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे।

कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कौशल प्रशिक्षण को स्वरोजगार, स्थानीय संसाधनों के मूल्य संवर्धन तथा कृषि-उद्यमिता से जोड़ने पर विशेष बल दिया।

समान नागरिक संहिता पर रायशुमारी के लिए विभिन्न संगठनों व सामाजिक प्रतिनिधियों से किया गया विमर्श

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन के पूर्व राज्य स्तर पर गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा विस्तृत चर्चा एवं सुझाव के लिए दो दिवसीय कार्यशाला 10 सितंबर से आयोजित की गई, जिसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एवं समिति के सदस्य श्री एम. के. राउत की अध्यक्षता में पीपीटी के माध्यम से समान नागरिक संहिता के वर्तमान नियमों एवं कानूनों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार उपस्थित थे।

इस दौरान समिति के सदस्यों ने विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और राज्य आयोगों के प्रमुखों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की। दो दिनों तक चले इस गहन मंथन सत्र के दौरान मुख्य रूप से विवाह और तलाक, उत्तराधिकार और विरासत, भरण-पोषण तथा लिव-इन रिलेशनशिप जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषयों पर सभी पक्षों से खुलकर सुझाव

लिए गए।

इस दौरान गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति के प्रांतीय सचिव गजानंद नुरूटी ने आदिवासी समाज की रूढ़िगत परंपराओं और विशिष्ट सांस्कृतिक ताने-बाने की रक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आदिवासी समुदाय की मौलिक पहचान और अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें समान नागरिक संहिता के दायरे से पृथक रखने का औपचारिक अनुरोध किया।

राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने समाज में लैंगिक समानता की पुरजोर वकालत की। उन्होंने महिला एवं पुरुष को समान अधिकार देने, बेटे और बेटी को संपत्ति में बराबर का उत्तराधिकार सौंपने, विवाह एवं तलाक का अनिवार्य पंजीयन कराने तथा संपत्ति व वसीयत से जुड़े स्पष्ट कानूनी प्रावधान स्थापित करने की दिशा में ठोस प्रयास करने का सुझाव दिया।

क्रिश्चन समाज के राजेश जॉन पाल सहित समाज के आए प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव में कहा कि विवाह को ईश्वर के द्वारा बनाई गई अटूट जोड़ी मानी जाती है, जिसे तोड़ा नहीं जा सकता। लिव-इन संबंध को समाज द्वारा स्वीकार नहीं किया जा सकता।

इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा भी उपस्थित रहीं और उन्होंने बच्चों के अधिकारों एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे।

बैठक में अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ अधिवक्ता बृजेश पांडेय, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष दिनेश देवांगन, अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष प्रमोद तिवारी तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारती राठौर ने समान नागरिक संहिता के प्रावधानों को अधिक कारगर, स्पष्ट व पारदर्शी बनाने पर जोर देते हुए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

द्वितीय सत्र में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष डॉ. सुरेश मिश्रा तथा आशीष बाजपेयी, मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधि डॉ. कुलदीप सोलंकी, डॉ. सुरभि दुबे तथा डॉ. के.पी. आजमानी ने भी विमर्श में हिस्सा लिया।

गर्भवती महिलाओं की गोदभराई, बच्चों का कराया अन्नप्राशन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज खैरागढ़ जिले के ग्राम जालबांधा एवं सलोनी स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं देखभाल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी सीखने की प्रक्रिया और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली तथा बच्चों के उत्साह एवं आत्मविश्वास की सराहना की।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने जालबांधा एवं सलोनी आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों की आयु के अनुरूप खेल-खेल में सीखने, गतिविधि आधारित शिक्षा तथा बच्चों के अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास की मजबूत

नींव प्रारंभिक अवस्था में ही तैयार होती है और इसमें आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जालबांधा आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में आयोजित 9वें राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हुईं। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म में शामिल होकर उन्हें सुपोषण किट वितरित किए। साथ ही बच्चों का अन्नप्राशन कराते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सक्षम योजना के अंतर्गत दो महिलाओं को ऋण सहायता के चेक भी प्रदान किए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि कुपोषण को कम करने के लिए गर्भावस्था से ही माताओं के खान-पान और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को प्रोटीन एवं पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार देने, अभिभावकों द्वारा बच्चों के साथ पर्याप्त समय बिताने, उनसे बातचीत करने तथा मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचाने की अपील की।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित 9वां राष्ट्रीय पोषण माह केवल आंगनबाड़ी केंद्रों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पोषण का संदेश प्रदेश के प्रत्येक घर तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' अभियान को बढ़ावा देने की अपील करते हुए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध मुनगा, हरी सब्जियों एवं अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को बच्चों के भोजन में शामिल करने का आग्रह किया।

उन्होंने महिलाओं से स्वयं पोषण के प्रति जागरूक होने और परिवार तथा आसपास की महिलाओं को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। स्वस्थ मां से स्वस्थ बच्चे का आधार तैयार होता है और स्वस्थ बच्चे ही सशक्त समाज की नींव बनते हैं। आगामी तीज पर्व के अवसर पर भी पोषण जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण : कोंडागांव में 1615 आवासों में गृह प्रवेश

कोंडागांव। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आज जिला कोंडागांव में 1615 पूर्ण आवासों में गृह प्रवेश का कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह आयोजन छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत निर्मित आवासों के गृह प्रवेश कार्यक्रम के क्रम में आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ के जिला शक्ति में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत निर्मित आवासों में गृह प्रवेश का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसी क्रम में जिला कोंडागांव के विभिन्न ग्राम पंचायतों में भी 1615 आवासों में हितग्राहियों ने अपने नए पक्के आवास में गृह प्रवेश किया।

Kiss करनी पड़ेगी, तुम्हें इंडस्ट्री में काम नहीं मिलेगा

ऐश्वर्या शर्मा से प्रोड्यूसर ने की जबरदस्ती, मना किया तो मिली धमकी

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा ने कास्टिंग काउच को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि करियर की शुरुआत से पहले ही उन्हें ऐसे कड़वे अनुभव से गुजरना पड़ा था। एक प्रोड्यूसर ने उन्हें काम के सिलसिले में बुलाया, लेकिन मुलाकात के दौरान उसका व्यवहार देखकर वह हैरान रह गईं। ऐश्वर्या ने साफ कर दिया कि काम पाने के लिए वह किसी भी तरह का कॉम्प्रोमाइज नहीं करेंगी।

'इंडस्ट्री में काम नहीं मिलेगा' कहकर डराया

ऐश्वर्या ने हिबा नवाब के शो में अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि प्रोड्यूसर ने उनके साथ किस करने की कोशिश की। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो कथित तौर पर उन्हें कहा गया कि अगर उन्होंने समझौता नहीं किया तो इंडस्ट्री में काम नहीं मिलेगा। प्रोड्यूसर ने उन्हें यह भी समझाने की कोशिश की कि लड़कियों को इंडस्ट्री में काम कैसे मिलता है।

लेकिन ऐश्वर्या ने दबाव में आने के बजाय उसे करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा काम नहीं करना और वहां से निकल गईं। एक्ट्रेस के मुताबिक, वह अनुभव उनके लिए बेहद अजीब और परेशान करने वाला था।

ऐसे लोग पहले से पूरी प्लानिंग करते हैं

ऐश्वर्या ने यह भी बताया कि हाल ही में उन्हें एक बार फिर कास्टिंग काउच जैसे अनुभव का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि ऐसी हरकत करने वाले लोग काफी शातिर होते हैं। वे पहले से पूरी प्लानिंग करके रखते हैं और पहली नजर में उनके इरादों का अंदाजा लगाना आसान नहीं होता। एक्ट्रेस ने यह भी संकेत दिया कि इंडस्ट्री में लड़कियों को आज भी इस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।

गुम है किसी के प्यार में' से मिली पहचान

वर्कफ्रंट की बात करें तो ऐश्वर्या शर्मा टीवी की जानी-पहचानी एक्ट्रेस हैं। उन्हें 'गुम है किसी के प्यार में' से खास पहचान मिली। इसके अलावा वह 'खतरों के खिलाड़ी 13' और 'बिग बॉस 17' जैसे चर्चित रियलिटी शोज का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

अक्षरा सिंह ने ट्रोल्र्स से मांगी मदद, कहा- 'गाइड कर दो प्लीज'

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह अपने नए गाने बेनाम इश्क' को लेकर सुर्खियों में है। शुक्रवार को उन्होंने इस पर अपडेट दिया। इसी के साथ वे ट्रोल्र्स के निशाने पर आ गईं।

भोजपुरी अदाकारा अपने अभिनय के साथ-साथ गायिकी के लिए भी मशहूर हैं। उनके गाने काफी पसंद किए जाते हैं। अक्षरा अपने नए गाने को लेकर चर्चा में हैं, जिसका टाइटल है 'बेनाम इश्क'। उन्होंने पोस्ट साझा कर फैंस से राय मांगी कि इसे आज रिलीज करें या कल। मगर, ट्रोल्स ने उन्हें निशाने पर ले लिया। इसके बाद अक्षरा ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया।

अक्षरा सिंह ने पोस्ट शेयर कर क्या कहा?

अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने नए गाने का पोस्ट रिलीज किया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'कुछ मोहब्बतें मुकम्मल होने के लिए नहीं होतीं। बस उम्र भर दिल में अधूरी रहने के लिए होती हैं। क्या आपकी जिंदगी में भी कोई ऐसी मोहब्बत है, जिसका आज तक कोई नाम नहीं? अब बताओ आज शाम ही रिलीज कर दूं या कल सुबह? कमेंट में सिर्फ लिखो आज या कल लिखिए। देखते हैं किसकी जीत होती है।

ट्रोलर बोला- 'गाना फ्लॉप होगा'

कमेंट बॉक्स में अक्षरा के फैंस गाने के प्रति उत्सुकता जता रहे हैं। वहीं, कुछ ट्रोल्स अभिनेत्री पर निशाना साधते नजर आए। एक यूजर ने लिखा, 'कभी भी रिलीज हो, गाना तो फ्लॉप होना है'। इस पर अक्षरा ने शालीनता से मुंहतोड़ जवाब दिया। भोजपुरी अभिनेत्री ने लिखा, 'गाना कैसे चलेगा? तुम गाइड कर दो ना प्लीज'।

गायिकी छोड़ने का दिया सुझाव

एक ट्रोल ने अक्षरा सिंह को सिंगिंग छोड़ने का ही सुझाव दे डाला। यूजर ने लिखा, 'एक सुझाव है कि आप सिंगिंग ही मत करो प्लीज, क्योंकि आपके पास वह आवाज ही नहीं है'। इस पर अक्षरा ने करारा जवाब देते हुए लिखा, 'करना पड़ेगा यार। कुछ लोग बहुत पसंद करते हैं और मुझे मजा आता है। समझो बात को'।

कमबैक के बाद डिंपल गर्ल को क्या बदलाव दिखा? पैपराजी कल्चर पर निशाना साधते हुए कही ये बात

सोशल मीडिया और पैपराजी कल्चर ने सितारों और फैंस के बीच की खाई को पाटा है। फैंस को सितारों से जुड़ी हर अपडेट मिलती है। मगर, इसकी वजह से कई बार सेलेब्स परेशान भी होते हैं। इस बदलाव को लेकर हाल ही में प्रीति जिंटा ने बात की। अभिनेत्री प्रीति जिंटा का कहना है कि आज के दौर में एक्टर्स पर पहले के मुकाबले ज्यादा दबाव है। पैपराजी कल्चर के बढ़ने और सोशल मीडिया की दखल के चलते वे ऐसी कड़ी नजर का सामना कर रहे हैं, जिससे उन्हें पहले कभी नहीं जूझना पड़ा था।

क्या लगा सबसे बड़ा बदलाव?

साल 2016 में शादी के बाद प्रीति जिंटा परिवार के साथ अमेरिका में बस गईं। इन दिनों वे कुणाल खेमू के साथ अपनी आने वाली स्पाई-कॉमेडी फिल्म 'वाइब' के प्रमोशन के लिए मुंबई में हैं। अभिनेत्री से जब पूछा गया कि फिल्मों में वापसी करने पर उन्हें सबसे बड़ा कल्चरल शॉक क्या लगा? इस पर उन्होंने कहा कि अब एक्टिंग में फिल्म सेट के बाहर की चीजो को भी संभालना पड़ता है।

पैपराजी और सोशल मीडिया के दखल पर क्या कहा?

समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में प्रीति ने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ा कल्चरल शॉक फिल्मों से नहीं, बल्कि फिल्मों के आस-पास की चीजों से जुड़ा है। जैसे पैपराजी और सोशल मीडिया का दखल। पहले, हमें बस सेट पर जाकर एक्टिंग करनी होती थी और काम खत्म करना होता था। यहां, आप कैसे कपड़े पहनते हैं, यह जरूरी है। आपका 'एयरपोर्ट लुक' मायने रखता है। अगर आप दुखी हैं, तो आपको फैशनेबल तरीके से दुखी दिखना होगा या अगर आप खुश हैं, तो फैशनेबल तरीके से खुश दिखना होगा'।

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'अगर देश में कुछ भी हो रहा है, तो आपको उसके बारे में जानकारी होनी चाहिए। आपको उस पर कमेंट करना होगा। आपको सही बात कहनी चाहिए, इसलिए, बहुत ज्यादा दबाव होता है। अब काम सिर्फ सेट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सेट के आस-पास की चीजें भी मायने रखती हैं। आपको शानदार दिखना भी होता है।

कब रिलीज होगी फिल्म 'वाइब'?

बता दें कि बीते दिनों प्रीति को सनी देओल के साथ फिल्म 'बंटवारा 1947' में देखा गया था। कुछ ही हफ्ते बाद अब उनकी फिल्म 'वाइब' सिनेमाघरों में दस्तक देगी। प्रीति जिंटा फिल्म में 'मैडम एच' का दिलचस्प किरदार निभा रही हैं। वे एक ऐसी जासूस हैं, जो एक बड़े मिशन के लिए दो अनाड़ी दोस्तों को भर्ती करती हैं और उन्हें ट्रेनिंग देती हैं। फिल्म 'वाइब' 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रणबीर की फिल्म पर क्या बोलीं करीना? बॉलीवुड निर्देशकों की सोच को बताया 'भेड़ चाल' जैसा!

करीना कपूर ने एक इवेंट में बात करते हुए पुराने और आज के दौर में फिल्म मेकर्स की सोच के बीच फर्क बताया है। इसके साथ ही उन्होंने अपने कजिन रणबीर कपूर की हिट फिल्म 'एनिमल' पर भी बात की। जानिए क्या बोलीं करीना?

बॉलीवुड में बीते कुछ दिनों में कई ऐसी फिल्म रिलीज हुई हैं, जिनमें लीड एक्टर का अंदाज बेहद आक्रामक दिखाया गया है। अब एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री करीना कपूर ने इस मामले पर खुलकर बात की। साथ ही बॉलीवुड फिल्ममेकर्स से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया।

फिल्मों पर क्या बोलीं करीना कपूर?

हाल ही में युवा नाम के एक यूट्यूब चैनल पर एक्ट्रेस ने नए दौर की आक्रामक फिल्मों पर बात करते हुए कहा, 'हमारे दर्शक जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा समझदार हैं। उन्हें पता है कि अच्छी फिल्म कौन सी है और वे उसे देखना चाहते हैं। आज बात सिर्फ एक यंग लव स्टोरी की नहीं है। ये सारी चीजें बहुत पुरानी हो चुकी हैं। आज कल हिंसा का दौर है।'

करीना बोलीं- चीजें बदल रही हैं

अपनी बातचीत में आगे करीना कपूर ने कहा, 'एक 'एनिमल' फिल्म चल गई है तो हम भी वैसी ही बना लेते हैं। क्या हमारी सोच 'भेड़ चाल' जैसी है? हालांकि, कुछ ऐसे फिल्ममेकर्स भी हैं जो कुछ अलग करना चाहते हैं। जो आपके विचारों को झकझोरना चाहते हैं और जिनकी अपनी फैन फॉलोइंग है। मुझे लगता है कि अब चीजें बदल रही हैं। दर्शक अब ट्रेलर देखकर ही तय कर लेते हैं कि उनको कौन सी फिल्म देखनी है।'

हर फिल्म करोड़ों नहीं कमा सकती

करीना ने यह भी बताया कि फिल्ममेकर्स अब पुराना माइंड सेट छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यंग ऑडियंस ऐसे सवाल पूछेगी जो आपको सोचने पर मजबूर करेंगे। आज के दौर में फिल्ममेकर्स ये सोचकर फिल्म नहीं बना सकते कि ये कॉमेडी है, तो चल जाएगी। हर फिल्म 200 करोड़ या 500 करोड़ कमाने वाली नहीं है। मुझे लगता है कि हम इसे बदल रहे हैं और दर्शक इसमें हमारी मदद कर रहे हैं।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'दायरा' ?

करीना की अगली फिल्म 'दायरा' है। इसमें उनके साथ पृथ्वीराज सकुमारन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दोनों ही एक्टर्स पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। यह क्राइम सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज और जंगली पिक्चर्स के बैनर तले हुआ है। यह फिल्म 18 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

घर की सफाई को आसान बना सकते हैं ये 5 हैक्स, जरूर आजमाएं

घर की सफाई करना रोजमर्रा का एक जरूरी काम है, लेकिन इसे जल्दी और आसानी से करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। सफाई करते समय अक्सर ज्यादा समय और मेहनत लगती है, जिससे थकावट महसूस होती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनकी मदद से आप अपने घर को कम समय और कम मेहनत में साफ-सुथरा बना सकते हैं।

एक समय में एक ही कमरे की सफाई करें

अक्सर लोग पूरे घर की सफाई एक साथ करने की कोशिश करते हैं, लेकिन इससे काम और ज्यादा मुश्किल हो जाता है। बेहतर होगा कि आप एक समय में सिर्फ एक कमरे की सफाई करें। जैसे कि किसी एक दिन रसोई साफ करें, दूसरे दिन लिविंग रूम और फिर अगले दिन बेडरूम। इस तरीके से आप हर कमरे को अच्छे से साफ कर पाएंगे और यह काम बोझिल भी नहीं लगेगा।

सफाई करते समय गाने सुनें

सफाई का काम अक्सर बोरियत भरा लगता है, लेकिन इसे मजेदार बनाया जा सकता है। सफाई करते समय अपने पसंदीदा गाने सुनें। इससे आपका ध्यान सफाई पर केंद्रित रहेगा और काम भी जल्दी खत्म होगा।

अगर गाने सुनना पसंद नहीं है तो आप मन ही मन कुछ गुनगुना सकते हैं। यह तरीका सफाई को थकावट भरा काम बनने से रोकता है और आपको तरोताजा महसूस कराता है।

सफाई के लिए सही सामान का इस्तेमाल करें

सफाई का काम तभी जल्दी और सही तरीके से होता है जब आपके पास सही सामान हो। झाड़ू, पोछा, और साफ करने के कपड़े जैसे सामान का सही तरीके से इस्तेमाल करें।

इसके अलावा अगर आपके पास गीले और सूखे पोछे के लिए अलग-अलग कपड़े हैं, तो सफाई करना और भी आसान हो जाएगा। सफाई के लिए ऐसे स्प्रे और साबुन का इस्तेमाल करें, जो जल्दी गंदगी हटाने में मदद करें।

सफाई को छोटे हिस्सों में बांटें

पूरे घर की सफाई करने के बजाय इसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांटना ज्यादा बेहतर होता है। जैसे कि पहले फर्नीचर की सफाई करें, फिर फर्श को साफ करें और अंत में धूल हटाएं। इस तरह से आप एक समय में एक काम पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे और सफाई का काम जल्दी खत्म होगा।

इसके अलावा सफाई करते समय हर चीज को उसकी सही जगह पर रखने की आदत डालें, ताकि अगली बार सफाई करना और भी आसान हो।

परिवार के सभी सदस्यों को शामिल करें

घर की सफाई का काम अकेले करने से यह थकावट भरा और समय लेने वाला लग सकता है। इसलिए, घर के सभी सदस्यों को इस काम में शामिल करें।

बच्चे भी इस काम में मदद कर सकते हैं, जैसे खिलौनों को सही जगह पर रखना या छोटे-मोटे सामान को साफ करना।

इससे न केवल सफाई का काम जल्दी पूरा होगा, बल्कि यह परिवार के साथ समय बिताने का भी एक अच्छा मौका बनेगा।

कैसे कंटेंट क्रिएटर से अभिनेता बने भुवन बाम, बगावत भरा बताया अपना सफर

अभिनेता भुवन बाम ने अपनी वेबसीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इसके साथ ही उन्होंने एक कंटेंट क्रिएटर से अभिनेता तक के सफर पर भी रौशनी डाली।

निखिल आडवाणी की पीरियड ड्रामा 'द रिवोल्यूशनरीज' 11 सितंबर को रिलीज हो चुकी है। भुवन बाम भी इस फिल्म का हिस्सा है। एक्टर ने एक बातचीत के दौरान दिल्ली के एक कमरे शुरू अपने सफर को याद किया।

अपने करियर पर क्या बोले भुवन?

भुवन बाम 'द रिवोल्यूशनरीज' में अभिनय कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक बगावत भरा एक लंबा सफर रहा है इस सफर में बहुत से लोग मिलते हैं। और बहुत से लोग कहते हैं, ऐसा मत करो। यह तुम्हारे लिए नहीं है। तुम खो जाओगे। भीड़ में गुम हो जाओगे। वहां कोई तुम्हारा सम्मान नहीं करेगा। मैंने कहा, अगर वहां नहीं तो मैं इसे यहीं से कर लूंगा। तो मैंने इसे दिल्ली से किया।'

आपनी बातचीत में आगे भुवन ने कहा, अगर मुझे कुछ साल पहले के भुवन बाम से कुछ कहना हो तो मैं कहूंगा गलतियां करते रहो। तुम गलतियां इसलिए करते हो क्योंकि तुम उनसे सीखते हो। असफलता बहुत महत्वपूर्ण है। असफलता के कारण ही आपके पैर लगातार जमीन पर टिके रहते हैं, इसलिए मुझे लगता है कि वे हमेशा जमीन पर ही रहने चाहिए।'

एक सोशल मीडिया क्रिएटर की तरह अपने करियर की शुरुआत करने वाले भुवन बाम ने कहा, 'जब तक मुझे अपने काम से प्यार रहेगा, तब तक दर्शकों से जुड़ाव बना रहेगा मेरा सबसे बड़ा डर यह है कि एक दिन मैं सुबह उठूं और मुझे काम करने का मन न करे। यही मेरा सबसे बड़ा डर है।'

'द रिवोल्यूशनरीज' के बारे में

वेब सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' शुक्रवार को रिलीज हो चुकी है। सीरीज की कहानी सत्य घटनाओं पर आधारित है। इस सीरीज का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है। इसमें भुवन बाम के अलावा रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा और गुरफतेह पीरजादा अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं, जेसन शाह, पाओली डैम और टोटा रॉय चौधरी भी महत्वपूर्ण किरदार निभाए हैं।

खास खबर

घर-घर कचरा संग्रहण से स्वच्छ गांव की ओर बढ़ते कदम

रायपुर। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत घर-घर कचरा संग्रहण और उसके व्यवस्थित प्रबंधन को अपनाकर ममता न केवल गांव को स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आजीविका भी सफलतापूर्वक चला रही हैं। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के विकासखंड लोरमी के ग्राम हरनाचाका की ममता राजपूत ने अपने संकल्प और कड़ी मेहनत से आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल कायम की है। स्वच्छता अब देश में केवल स्वास्थ्य और पर्यावरण सुधार का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कई नागरिकों के लिए सम्मानजनक आजीविका का एक मजबूत जरिया बन गई है। ग्राम पंचायत हरनाचाका में एकता महिला समूह की सक्रिय सदस्य के रूप में ममता पिछले दो वर्षों से स्वप्रेरणा से घर-घर जाकर कचरा कलेक्शन का कार्य कर रही हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों और शहरों में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं घर-घर जाकर कचरा संग्रहण और प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रही हैं, जिससे उन्हें नियमित आय और सम्मान मिल रहा है।

वीबी रामजी योजना के तहत 5 एकड़ भूमि में हुआ मिश्रित फलदार पौधों का रोपण

कोरबा। ग्राम कापूबहरा स्थित गौठान एवं चारागाह परिसर में रिक्त पड़ी लगभग 5 एकड़ भूमि में वीबी रामजी योजना के तहत उद्यानिकी विभाग द्वारा मिश्रित फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती माधुरी देवी तंवर एवं ग्राम पंचायत कापूबहरा की सरपंच द्वारा पौधरोपण कर किया गया। इस अवसर पर मरार समाज के अध्यक्ष गंगा पटेल, उप संचालक कृषि देवेंद्र कंवर, सहायक संचालक उद्यान पतराम सिंह, पीओ दिलीप मेहता, उद्यान अधीक्षक सर्वेश पटेल, प्रक्षेत्र सलाहकार अमित सोनी सहित ग्राम पंचायत के समूह की दीदियां एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान 5 एकड़ भूमि में विभिन्न प्रजातियों के मिश्रित फलदार पौधों का रोपण किया गया। इनमें ग्राफ्टेड आम, नींबू, अमरूद, करोंदा, कटहल, जामुन, काजू सहित अन्य फलदार पौधे शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य रिक्त भूमि का सदुपयोग करते हुए फलोद्यान विकसित करना, स्थानीय स्तर पर हरित क्षेत्र का विस्तार करना तथा ग्रामीणों के लिए आय के अतिरिक्त अवसर तैयार करना है।

प्रधान मंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेला 15 को

दंतेवाड़ा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था से जारी विज्ञप्ति अनुसार प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिस मेला योजना के तहत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दंतेवाड़ा (आईटीआई) में 15 अप्रैल को प्रात: 11 बजे से अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में जिले के समस्त आईटीआई के वर्तमान प्रशिक्षणार्थियों, पूर्व प्रशिक्षणार्थियों एवं अन्य इच्छुक युवाओं को आमंत्रित किया जाता है। इस संबंध में प्रशिक्षणार्थियों का एनएपीएस पोर्टल पर पंजीयन, स्वरोजगार एवं रोजगार मार्गदर्शन केंद्र, दंतेवाड़ा द्वारा करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन, औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा अप्रेंटिसशिप हेतु कैंपस इंटरव्यू एवं प्रारंभिक चयन प्रक्रिया, संस्था के प्राचार्य ने जिले के समस्त प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों से आग्रह किया है कि वे अपने अधीनस्थ प्रशिक्षणार्थियों एवं पूर्व प्रशिक्षणार्थियों को मेले में प्रतिभाग हेतु प्रोत्साहित करें साथ ही औद्योगिक संस्थानों से भी अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी कर युवाओं को रोजगार से जोड़ने में सहयोग करें।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने लाखों गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना किया साकार

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 2 लाख नवनिर्मित आवासों में कराया गृह प्रवेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के पक्के आवास के सपने को साकार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ा। सक्ती में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के राज्यस्तरीय गृह प्रवेश समारोह में 2 लाख नवनिर्मित आवासों का गृह प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से उनके नए घरों की चाबी सौंपी गई।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 3.65 लाख अतिरिक्त आवासों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने नवगठित सक्ती जिले में कृषि विज्ञान केंद्र खोलने तथा बस्तर संभाग में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के सर्वे की समय-सीमा 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाने की घोषणा भी की। केंद्रीय मंत्री चौहान ने अतिरिक्त आवासों की स्वीकृति संबंधी पत्र मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को सौंपा।

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण इसी संकल्प को जमीन पर साकार करने वाली महत्वपूर्ण योजना है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास निर्माण का कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है और प्रतिदिन 1600 से अधिक आवास पूर्ण किए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विकास कार्यों की सराहना की।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि सरकार जो कहती है, उसे पूरा करके दिखाती है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों को नई गति मिली है। ग्रामीण क्षेत्रों में पक्के आवास, सड़क, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से गरीब परिवारों को केवल पक्की छत ही नहीं मिल रही, बल्कि उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, नि:शुल्क राशन, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में व्यापक बदलाव लाने का कार्य किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि की अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। प्रदेश अब केवल धान के कटोरे के रूप में ही नहीं, बल्कि तेजी से सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में भी अपनी नई पहचान बना रहा है। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि में आधुनिक तकनीक को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सक्ती में कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना से क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत खेती, फसल विविधीकरण और कृषि संबंधी वैज्ञानिक मार्गदर्शन स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि चौहान का छत्तीसगढ़ के प्रति विशेष स्नेह रहा है और उनके प्रत्येक प्रवास से प्रदेश को विकास की नई सौगातें मिली हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आज अपने नए पक्के घर में प्रवेश कर रहे 2 लाख हितग्राही परिवारों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। राज्य सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में ही 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति देकर अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी थी। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 11.50 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आवास सर्वे-2011 और आवास प्लस सर्वे के अंतर्गत आवासों के लक्ष्य की स्वीकृति मिल चुकी है। अब आवास प्लस-प्लस सर्वे में शामिल शेष पात्र परिवारों के लिए भी आवास स्वीकृत करने का अनुरोध केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री से किया गया है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का कोई भी पात्र गरीब परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे।

आधुनिक प्रबंधन से बढ़ेगा राज्य में मछली उत्पादन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के समृद्ध जल संसाधनों और जलाशयों में केज कल्चर (पिंजरा पालन) के माध्यम से मछली उत्पादन की विशाल संभावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। मत्स्य पालन विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा आईसीएआर-सीआईएफआरआई बैरकपुर (कोलकाता) के सहयोग से रायपुर स्थित मत्स्य पालन विभाग कार्यालय में दो दिवसीय विशेष कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य तालाबों और केज कल्चर में मछली पालन कर रहे किसानों को मछलियों में होने वाली बीमारियों की त्वरित पहचान (रियल-टाइम डायग्नोस्टिक्स) और उनके प्रभावी बचाव व इलाज के आधुनिक तरीकों से अवगत कराना था।

कार्यशाला में आईसीएआर-सीआईएफआरआई के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. असित कुमार बेरा तथा श्रीमती सोहिनी चटर्जी ने विस्तृत व्याख्यान दिए। उन्होंने किसानों को केज कल्चर और तालाबों में होने वाली बीमारियों के लक्षण, रोकथाम तथा उनके वैज्ञानिक उपचार की बारीकियों से अवगत कराया।

इस दो दिवसीय आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 50-60 केज कल्चर किसान और 50-60 पारंपरिक (तालाब) मत्स्य पालक शामिल हुए। इसके साथ ही विभिन्न जिलों के मत्स्य अधिकारियों ने भी कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यशाला में चर्चा के दौरान राज्य में मत्स्य पालन के बेहतर प्रबंधन के लिए कई महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं की पहचान की गई। फील्ड लेवल जांच, खेत और जलस्रोतों के स्तर पर ही बीमारियों की त्वरित पहचान करने की दिशा में भी चर्चा की गई।

प्रशिक्षण एवं डेटाबेस मैदानी कर्मचारियों को रोग रिपोर्टिंग का प्रशिक्षण देना तथा भविष्य के प्रबंधन हेतु जलाशयों व मछलियों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड का डेटाबेस तैयार करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने राज्य में मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए इस प्रकार के एकीकृत प्रबंधन को बेहद जरूरी बताया।

कार्यक्रम में एन.एस. नाग संचालक, मत्स्य पालन, छत्तीसगढ़, आनंद निषाद अध्यक्ष, मछुआ कल्याण बोर्ड, डॉ. लखन लाल धीवर उपाध्यक्ष, मछुआ कल्याण बोर्ड, सुश्री बीना गड़पाले , तथा विकास कुमार साहू सहायक मत्स्य अधिकारी, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हल्दी की खेती से बढ़ रही फसल विविधता किसानों की आय में हो रही वृद्धि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं से प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन के साथ-साथ फसल विविधता को भी लगातार बढ़ावा मिल रहा है। उद्यानिकी फसलों की खेती को प्रोत्साहन मिलने से किसान अब पारंपरिक साग-सब्जी और फल उत्पादन के साथ मसाला फसलों की खेती में भी रुचि लेने लगे हैं। इससे प्रदेश में मसाला फसलों का क्षेत्र विस्तार होने के साथ किसानों के लिए आय के नए अवसर भी तैयार हो रहे हैं।

इसी दिशा में वर्ष 2026-27 में राज्य पोषित मद के अंतर्गत मसाला क्षेत्र विस्तार प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी द्वारा योजना के तहत हल्दी फसल के क्षेत्र विस्तार के लिए 1300 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसके लिए 620 लाख रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। योजना के माध्यम से किसानों को मसाला फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में फसल विविधीकरण को गति मिल रही है। योजना के क्रियान्वयन से किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ हल्दी जैसी मसाला फसलों की खेती का विकल्प मिल रहा है।

इससे एक ओर किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में मसाला फसलों के उत्पादन में वृद्धि से स्थानीय स्तर पर उपलब्धता बढ़ेगी।

बस्तर ओलंपिक 2026: भयमुक्त बस्तर में खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया फलक

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। माओवाद के साए से मुक्त होने के बाद पहली बार आयोजित होने जा रहे बस्तर ओलंपिक 2026-27 को लेकर अंचल में अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। अपने सफल आयोजनों के तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुके इस महत्वाकांक्षी खेल महाकुंभ की रूपरेखा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा तैयार कर ली गई है। बस्तर संभाग के कमिश्नर डोमन सिंह ने संभाग के सभी खेल अधिकारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की , जिसमें उप आयुक्त गीता रायस्त और खेल अधिकारी सुशांत पाल भी उपस्थित थे। बस्तर ओलम्पिक के लिए इस साल बीते वर्ष से दुगुना लक्ष्य निर्धारित कर पंजीयन किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि नक्सलमुक्त परिवेश बनने के बाद अब उन खेल प्रतिभाओं को खुलकर सामने लाने का ऐतिहासिक अवसर है, जो पूर्व में नक्सली भय और खौफ के कारण अपनी प्रतिभा दबाए बैठी थीं। शासन का मुख्य ध्येय अंदरूनी वनांचल गांवों में छिपी नैसर्गिक प्रतिभाओं को निखारकर मुख्यधारा से जोड़ना और प्रशासन व जनता के बीच मजबूत विश्वास कायम करना है।

भाजपा फाफाडीह मंडल की कार्यशाला संपन्न, सेवा पखवाड़ा के कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी फाफाडीह मंडल की मंडल स्तरीय कार्यशाला लोहाना महाजन वाड़ी में संपन्न हुई। कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला में उत्तर विधानसभा के विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौड़, जिला महामंत्री गुंजन प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष अकबर अली, मंडल सह प्रभारी मधुसूदन शर्मा, जिला मंत्री तुषार चोपड़ा, जिला पूर्व कोषाध्यक्ष रमेश मीरघानी एवं प्रदेश सोशल मीडिया से श्री दिनेश सुंदरानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा पूर्व मंडल अध्यक्ष विष्णु नामदेव एवं कमलेश शर्मा, पूर्व पार्षद विठ्ठल भाई पटेल, फाफाडीह मंडल अध्यक्ष जितेंद्र गंडेचा, मंडल महामंत्री भगवान यादव एवं संजय शर्मा सहित मंडल पदाधिकारी ललिता यादव, पल्लवी भोसले, केदार यादव, निखिल पंड्या, नरेंद्र जंघेल, कन्हैया बाघ, ज्योति यदु, अनिल साहू, कृष्णा नायडू सहित मंडल के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आगामी सेवा पखवाड़ा के दौरान होने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा संगठन के कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश एवं रणनीति पर चर्चा की गई।

महासमुंद प्रवास के दौरान मत्स्य पालकों के हित में हुई बैठक, जाल व आइस बॉक्स का वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुंद। जिला प्रवास के दौरान गोपालपुर गांव पहुंचकर सर्वप्रथम प्रभु श्री राम जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात मछुआरा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक कमलेश निषाद के निवास पहुंचकर विभिन्न समसामयिक एवं संगठनात्मक विषयों पर आत्मीय चर्चा की गई।

इस दौरान क्षेत्र एवं मछुआरा समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। इसके बाद जिला महासमुंद स्थित मछली पालन विभाग में मत्स्य पालन से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में मत्स्य पालकों एवं मछुआरा हितग्राहियों के कल्याण तथा मत्स्य पालन के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर हितग्राहियों को जाल एवं आइस बॉक्स का वितरण भी किया गया। शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक मत्स्य पालकों तक पहुंचाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई। मत्स्य पालकों एवं मछुआरा समाज के कल्याण और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास एवं प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

एमपीएमएससी मेंस सीनीयर वुमेंस टी 20 : छत्तीसगढ़ महिला टीम की चौथी जीत, झारखंड को 7 विकेट से हराया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजस्थान किकेट एसोसियेशन द्वारा आयोजित एमपीएमएससी मेंस सीनीयर वुमेंस आमंत्रण टी 20 ट्राफी 2026 में छत्तीसगढ़ की टीम का चौथा टी 20 मैच 10 सिंतबर 2026 को मीराज किकेट मैदान, उदयपुर, राजस्थान में झारखंड टीम के विरुद्ध खेला गया। छत्तीसगढ ने झारखंड को 7 विकेट से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की।

झारखंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। झारखंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर केवल 104 रन ही बनाये। झारखंड की शुरुवात खराब रही तथा उनके दोनों प्रारंभिक बल्लेबाज खाता खोले बिना ही पवेलीयन लौट गये। झारखंड की ओर से वृष्टि कुमारी ने 22 रन तथा शिखा ने 15 रनों का योगदान दिया।

छत्तीसगढ के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुये झारखंड की टीम को केवल 104 रनों के योग पर समेट दिया। छत्तीसगढ की ओर से प्रिति यादव ने 4 विकेट, श्रद्धा वैश्णव ने 3 विकेट तथा संजीता पटेल ने 2 विकेट प्राप्त किये। केवल 105 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुये छत्तीसगढ ने केवल 14.4 ओवरों में 3 विकेट खोकर 106 रन बनाकर आसानी से जीत प्राप्त कर ली। छत्तीसगढ की ओर से प्रारंभिक बल्लेबाज प्रत्युशा ने अपना शानदार खेल जारी रखते हुये नाबाद 58 रन बनाये। उनके अतिरिक्त श्रृष्टि शर्मा ने 35 रनों का योगदान दिया। झारखंड टीम की ओर से वृष्टि, देवयानी तथा आरती ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच 7 विकेट से जीत लिया। के प्रत्युशा प्लेयर आर्फद मैच रहीं।

खास खबर

हसदेव नदी हादसा, एक शव मिला, एक की तलाश जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज कई इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक, कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका है। अगले 2 दिनों तक मध्य छत्तीसगढ़ में बारिश की एक्टिविटी बढ़ी रहेगी। इस बीच जांजगीर-चांपा में हसदेव नदी में बहे 3 कॉलेज छात्रों में से एक का शव 18 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। नगर सैनिकों और गोताखोरों की टीम ने पवन लाल का शव नदी से बाहर निकाला। दो छात्र सचिन और मुरारी अब भी लापता हैं। सुबह से दोनों की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बिलासपुर के चौकसे कॉलेज के 8 छात्र-छात्राएं शुक्रवार को पिकनिक मनाने देवरी गांव पहुंचे थे। नदी किनारे सेल्फी लेने के दौरान एक छात्र का पैर फिसल गया। उसे बचाने के लिए नदी में कूदे 2 अन्य छात्र भी तेज बहाव में बह गए।

टेमरी नाके पर पुलिस का शिकंजा, बाइक से 5.440 किलो गांजा बरामद

महासमुंद। ऑपरेशन निश्चय के तहत महासमुंद पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफकार्रवाई करते हुए टेमरी जांच नाके के पास एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 5.440 किलो गांजा, तस्करी में इस्तेमाल की जा रही पल्सर बाइक और मोबाइल समेत कुल 3 लाख 65 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। गांजा ओडिशा के कांटाबांजी से दुर्ग ले जाया जा रहा था। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रामचरण उर्फ यश ठाकुर (24), निवासी पीसेगांव, थाना पुलगांव, जिला दुर्ग बताया। उसने फरार साथी का नाम रोशन निषाद उर्फ विक्की, निवासी चंदखुरी, दुर्ग बताया। मामले में अपराध क्रमांक 151/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(२)(बी) और 29 में अपराध दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए पेश किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में 50 वर्षीय महिला की मौत, हत्या की आशंका पर जांच तेज

कबीरधाम। जिले के थाना झलमला क्षेत्र के ग्राम मुड़वाही में 50 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान बतसिया बाई मेरावी, पति सबर सिंह मेरावी के रूप में हुई है। उनकी 11 सितंबर 2026 की सुबह अपने निवास स्थान पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हुई। सूचना मिलने पर झलमला पुलिस ने धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग क्रमांक 03/2026 कायम कर शव पंचनामा कार्रवाई की। शव पंचनामा के दौरान प्रथम दृष्टया मामला हत्या से जुड़ा होने की आशंका सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है। एसडीओपी के नेतृत्व में एफएसएल और क्राइम टीम ने झलमला पुलिस के साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्यों और संबंधित तथ्यों की गहन जांच शुरू की है। पुलिस द्वारा घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

मासूम से दुष्कर्म व हत्या के आरोपी को फांसी, दुर्ग एसएसपी ने जांच टीम को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग के मोहन नगर थाना क्षेत्र में पिछले साल अप्रैल में मासूम से दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने वाले आरोपी को दुर्ग कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। इस पूरे मामले की जांच कर आरोपी को फांसी की सजा तक पहुंचाने वाली विवेचना टीम को दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने सम्मानित किया है। एसएसपी विजय अग्रवाल द्वारा विवेचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान कर टीम के प्रयासों को सराहा गया।

विवेचना में डीएएन, एफएसएल, चिकित्सकीय एवं तकनीकी साक्ष्यों के समन्वित संकलन से प्रकरण को न्यायालय के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। जांच टीम में पद्मश्री तंवर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, आईयूसीएडब्ल्यू, निरीक्षक शिवप्रसाद चन्द्रा थाना प्रभारी मोहन नगर, निरीक्षक श्रद्धा पाठक

थाना प्रभारी महिला थाना, उप निरीक्षक चेतन चन्द्राकर, थाना प्रभारी छावनी, उप निरीक्षक पारस ठाकुर, थाना मोहन नगर, सउनि राजेन्द्र देशमुख, सउनि संगीता मिश्रा तथा थाना मोहन नगर तथा एसीसीयू दुर्ग के संबंधित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं उप पुलिस अधीक्षक, हेडक्वार्टर उपस्थित रहे।

गोल्ड ईटीवी में निवेश पर लाभ का झांसा देकर ठगी, एचडीएफसी बैंक का मैनेजर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सुपेला पुलिस ने गोल्ड ईटीवी में निवेश एवं अधिक लाभ का प्रलोभन देकर ठगी के एक मामले में एचडीएफसी बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर को गिरफ्तार किया है। आरोपी निवेशकों से चेक प्राप्त कर मुख्य आरोपी योगेश साहू के खाते में राशि जमा करता था तथा निवेशकों को अपने खाते से लाभांश की राशि प्रदान करता था। प्रकरण में निवेशकों के कथनों, बैंक खातों से संबंधित दस्तावेजों एवं विवेचना में प्राप्त अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी राजकुमार तिवारी की संलिप्तता सामने आई। पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर थाना सुपेला पुलिस ने आरोपी राजकुमार तिवारी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

प्रार्थी राजू नामदेव, निवासी सेक्टर-07, भिलाई द्वारा थाना सुपेला में लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई थी कि आरोपी योगेश साहू एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा निवेश पर प्रतिमाह 10 प्रतिशत लाभांश देने का प्रलोभन देकर उसे विश्वास में लिया गया। आरोपियों द्वारा अन्य ग्राहकों के बैंक खाते के स्टेटमेंट दिखाकर निवेश योजना को विश्वसनीय बताया गया। इसके बाद प्रार्थी से बैंक खाता एवं मोबाइल संबंधी जानकारी प्राप्त की गई।

आरोपियों द्वारा निवेश योजना की जानकारी देने के पश्चात प्रार्थी ने उनकी बातों पर विश्वास कर दिनांक 21.03.2025 को 15 लाख रुपये आरोपियों द्वारा बताए गए खाते में ट्रांसफर किए थे। प्रारंभिक अवधि में प्रार्थी के खाते में लाभांश की राशि भेजी गई, जिसके बाद लाभांश देना बंद कर दिया गया तथा राशि वापस करने का आश्वासन दिया जाता रहा। बाद में प्रार्थी को जानकारी हुई कि अन्य निवेशकों से भी इसी प्रकार बड़ी रकम प्राप्त की गई है।

शिकायत पर थाना सुपेला में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान प्रार्थी सहित अन्य निवेशकों के कथन लिए गए तथा बैंक खातों एवं लेन-देन से संबंधित जानकारी का परीक्षण किया गया। विवेचना में निवेशकों मोहम्मद रफी, साधना मिश्रा, शिबा शेख सहित अन्य के कथनों एवं उपलब्ध दस्तावेजों से आरोपी राजकुमार तिवारी की भूमिका सामने आई।

विवेचना में पाया गया कि आरोपी राजकुमार तिवारी एचडीएफसी बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत रहते हुए बड़े रकम वाले खाताधारकों की जानकारी प्राप्त करता था। इसके बाद निवेशकों को गोल्ड ईटीवी में निवेश कर अधिक लाभ कमाने का प्रलोभन दिया जाता था।

आरोपी द्वारा निवेशकों से चेक प्राप्त कर राशि मुख्य आरोपी योगेश साहू के खाते में जमा किए जाने तथा निवेशकों को प्राप्त होने वाला लाभांश अपने खाते से दिए जाने संबंधी साक्ष्य विवेचना में प्राप्त हुए हैं।

प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर राजकुमार तिवारी को आरोपी बनाया गया। पुलिस द्वारा आरोपी को हिरासत में लेकर गवाहों के समक्ष मेमोरण्डम कथन लिया गया। आरोपी के खिलाफ सुपेला पुलिस ने धारा 318(2), 318(4), 61(2), 111(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर राजकुमार तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने विवेचना में निवेशकों द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खातों, लेन-देन एवं लाभांश भुगतान से संबंधित दस्तावेजों/जानकारियों का परीक्षण किया गया है। प्रकरण में विधिसम्मत साक्ष्य संकलन की कार्यवाही जारी है।

उक्त कार्यवाही में थाना सुपेला के थाना प्रभारी एस.एन. सिंह, उनि धनेश्वर साहू, आरक्षक कमल साहू एवं प्रदीप सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी निवेश योजना में राशि लगाने से पहले संबंधित संस्था, योजना एवं उसके अधिकृत होने की स्वतंत्र रूप से जांच करें। असामान्य रूप से अधिक अथवा निश्चित लाभ का प्रलोभन देने वाली योजनाओं में बिना सत्यापन राशि जमा न करें तथा संदिग्ध निवेश प्रस्ताव, बैंक खाते या लेन-देन की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

धमतरी में गौवंश तस्करी पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। धमतरी जिले में हो रहे लगातार गौवंश की तस्करी पर लगाम लगाने में पुलिस को सफलता मिली है। जिले की पुलिस ने गौवंश की तस्करी कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से चार मवेशियों को सुरक्षित मुक्त किया गया है। वहीं आरोपियों द्वारा तस्करी में इस्तेमाल की गई वाहन को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

पुलिस ने बताया कि जिले के सिहावा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम देवपुर का मामला है। जहां गौवंश के अवैध परिवहन की सूचना मिलने पर कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ धारा 4, 6, 10, 11 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में अवैध पशु परिवहन एवं तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।वही मामले में पकड़े गए तानसिंह साहू, भोजराम यादव और करणसिंह यादव को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर जेल भेजा गया है।

थाना सिहावा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक पिकअप वाहन में गौवंश मवेशियों को क्रूरतापूर्वक भरकर अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर सिहावा पुलिस टीम द्वारा नगरी-सिहावा मुख्य मार्ग स्थित ग्राम देवपुर चौक के पास घेराबंदी की गई। पुलिस टीम ने संदिग्ध पिकअप को रोककर जांच की, जिसमें 04 नग गौवंश मवेशियों को क्रूरतापूर्वक भरकर अवैध रूप से परिवहन करते हुए पाया गया।

पुलिस द्वारा मवेशियों को सुरक्षित मुक्त कराते हुए मौके से तानसिंह साहू 19 वर्ष निवासी बड़ेपारा-घुंटुला, भोजराम यादव 19 वर्ष निवासी बाजारपारा- घुंटुला और करणसिंह यादव 29 वर्ष निवासी ग्राम भैंसासांकरा- नगरी को गिरफ्तार गया। इसके साथ ही आरोपियों द्वारा तस्करी में इस्तेमाल की गई पिकअप को जब्त किया गया है।

बाइक-ट्रैक्टर और कार चुराने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार, सिंडिकेट में आरक्षक भी शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने बाइक, ट्रैक्टर और कार चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस सिंडिकेट में आरक्षक भी शामिल था। पुलिस ने मुख्य आरोपी साहिल राय समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से विधानसभा क्षेत्र के दोदेखुर्द स्थित गैरेज के बाहर से चोरी की गई इनोवा क्रिस्टा बरामद हुई है। पूछताछ में बुलेट, एक्टिवा, स्प्लेंडर और दो ट्रैक्टर चोरी की 8 वारदातों का खुलासा हुआ है। आरोपियों का नाम साहिल राय (23), संजीव दत्ता (27), अमरजीत सिंह उर्फ बंटी (48) और आरक्षक दिनेश कुमार टंडन (44) है।

पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्यों की जेल में एक-दूसरे से मुलाकात हुई थी। इसके बाद वाहन चोरी कर उन्हें अलग-अलग लोगों के जरिए बेचने का नेटवर्क बनाया गया।

लगातार वाहन चोरी की घटनाओं के बाद एसपी ग्रामीण श्वेता सिन्हा श्रीवास्तव के निर्देश में विशेष टीम बनाई गई थी। एएसपी ग्रामीण चंचल तिवारी और एसडीओपी वीरेंद्र चतुर्वेदी के नेतृत्व में टीम ने जांच शुरू की। विधानसभा थाना क्षेत्र के रुद्रांश मोटर गैरेज के बाहर से 5 सितंबर की रात करीब 11:30 बजे इनोवा क्रिस्टा चोरी हुई थी। सीसीटीवी के आधार पर पुलिस ने साहिल राय से पूछताछ की।

पूछताछ में साहिल ने मेकाहारा, घड़ी चौक पार्किंग और आमासिवनी से बुलेट चोरी करने की बात बताई। एक बुलेट को संजीव दत्ता के साथ मिलकर अमरजीत उर्फ बंटी को करीब 20 हजार रुपए में बेचने की जानकारी सामने आई।

इसके अलावा आमासिवनी से स्प्लेंडर, तेलीबांधा मरीन ड्राइव से एक्टिवा, मेकाहारा से बाइक और धनसुली से दो ट्रैक्टर चोरी करने का खुलासा हुआ। पुलिस सिंडिकेट से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

जादू-टोने के शक में 65 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के गीदम थाना क्षेत्र के ग्राम समलूर में जादू-टोना करने के शक में एक बुजुर्ग की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, 65 वर्षीय सुखराम सोढ़ी की हत्या के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल लकड़ी का पट्टा और अन्य सामान भी बरामद किया है। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, 9 सितंबर को गीदम थाना प्रभारी को ग्राम समलूर के उईकापारा निवासी सुखराम सोढ़ी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही

पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मृतक के चेहरे, गाल, कान और माथे पर चोट के निशान पाए गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बुजुर्ग की मौत कठोर वस्तु से चोट लगने के कारण होना सामने आया। इसके बाद गीदम पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस के तहत हत्या का मामला दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई।

जांच के दौरान पुलिस ने मृतक के परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ की। इस दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि सुखराम सोढ़ी पर कथित तौर पर जादू-टोना करने का शक किया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, इसी बात को लेकर कुछ ग्रामीणों में उसके प्रति नाराजगी थी।

जांच के दौरान पुलिस को धनीराम भोगामी उर्फ मोटू (28), बिनेश सोढ़ी उर्फ बीनू (25) और मंगतू सोढ़ी (27) की भूमिका संदिग्ध लगी। तीनों समलूर गांव के ही निवासी बताए गए हैं।

पुलिस ने तीनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में तीनों की कथित संलिप्तता सामने आई और उन्होंने बुजुर्ग की हत्या की योजना बनाने की बात स्वीकार की। आरोपियों के बताए अनुसार पुलिस ने घटना में इस्तेमाल लकड़ी का पट्टा और अन्य महत्वपूर्ण सामान बरामद किया।

पुलिस ने मामले में तीनों आरोपियों को 11 सितंबर को गिरफ्तार किया। इसके बाद उन्हें न्यायालय दंतेवाड़ा में पेश किया गया, जहां से तीनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों को भी जांच में शामिल किया जा रहा है।

ऑटो कंपनी की डीलरशिप के नाम पर कारोबारी को झांसे में लिया, साढ़े 3 लाख ठगकर आरोपी फरार

एमसीबी। इलेक्ट्रिक स्कूटी कंपनी की डीलरशिप दिलाने के नाम पर गौरेला के एक ऑटो पार्ट्स कारोबारी से 3 लाख 60 हजार 500 रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने खुद को कंपनी का अधिकृत प्रतिनिधि बताकर कारोबारी को डीलरशिप दिलाने का भरोसा दिया और पंजीयन, प्रक्रिया व अन्य शुल्क के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराई। रकम मिलने के बाद डीलरशिप नहीं दी गई और आरोपियों ने संपर्क करना बंद कर दिया। कारोबारी की शिकायत पर गौरेला पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम अहिरानटोला, बांधामुड़ा निवासी 29 वर्षीय खुशीराम यादव रेस्ट हाउस रोड, डीपूपारा गौरेला में बाबा ऑटो पार्ट्स नाम से दुकान संचालित करते हैं। शिकायत के मुताबिक 24 अगस्त को दोपहर करीब 2:27 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए इलेक्ट्रिक स्कूटी की डीलरशिप के संबंध में जानकारी दी।

डीलरशिप लेने में रुचि दिखाने के बाद अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कथित आरोपियों ने खुशीराम यादव से संपर्क किया। उन्होंने खुद को कंपनी की डीलरशिप दिलाने के लिए

अधिकृत व्यक्ति बताया और पूरी प्रक्रिया कराने का भरोसा दिया। उनके निर्देश पर कारोबारी ने अलग-अलग तारीखों में बताए गए बैंक खातों में रकम जमा कराई।

शिकायत के अनुसार 28 अगस्त को 75,500 रुपए, 3 सितंबर को 2,000 रुपए, 4 सितंबर को 90,000 रुपए और 5 सितंबर को 1 लाख 93 हजार रुपए समेत अन्य लेनदेन के जरिए कुल 3 लाख 60 हजार 500 रुपए ट्रांसफर किए गए। रकम जमा करने के बाद जब कारोबारी ने डीलरशिप के संबंध में जानकारी मांगी तो आरोपी टालमटोल करने लगे। बाद में उन्होंने फोन उठाना और संपर्क करना बंद कर दिया। इसके बाद कारोबारी ने 11 सितंबर को थाना गौरेला में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर मोबाइल नंबरों, बैंक खातों और ऑनलाइन लेनदेन की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ठगी में कितने लोग शामिल हैं और आरोपियों ने कंपनी के नाम का इस्तेमाल किस तरह किया।

गुम मोबाइल की तलाश में पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 201 मोबाइल बरामद

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा नागरिकों के गुम हुए मोबाइल फोन को केवल रिकॉर्ड तक सीमित न रखते हुए उनकी तकनीकी पतासाजी कर वास्तविक स्वामियों तक वापस पहुंचाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट द्वारा 201 मोबाइल फोन बरामद कर संबंधित नागरिकों को वापस किए जा रहे हैं। जिले के विभिन्न थानों में नागरिकों द्वारा मोबाइल फोन गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए गुम मोबाइल की पतासाजी के लिए CEIR पोर्टल पर उपलब्ध IMEI एवं तकनीकी जानकारी का उपयोग किया गया।

इस कार्रवाई के दौरान एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम द्वारा लगातार तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल उपयोग की जानकारी का सत्यापन एवं संबंधित स्थानों पर फॉलोअप करते हुए दुर्ग, भिलाई,

राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा एवं रायपुर सहित मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार तथा अन्य राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 201 नग विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपये है। मोबाइल फोन के IMEI एवं अन्य आवश्यक विवरण का सत्यापन कर वास्तविक स्वामियों की पहचान की जा रही है तथा सत्यापन पूर्ण होने के बाद उन्हें विधिवत मोबाइल वापस किए जा रहे हैं।

वर्ष 2026 में गुम मोबाइल बरामदगी एवं वितरण की यह छठवीं कार्रवाई है। वर्ष 2026 में CEIR पोर्टल के माध्यम से अब तक 1200 से अधिक गुम मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। यह कार्रवाई केवल मोबाइल बरामदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों द्वारा पुलिस के समक्ष दर्ज कराई गई शिकायतों पर लगातार तकनीकी कार्यवाही, फॉलोअप एवं समन्वय के माध्यम से उनकी खोई हुई संपत्ति वापस दिलाने के उद्देश्य से की जा रही है। उक्त कार्रवाई में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, दुर्ग की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम द्वारा CEIR पोर्टल पर दर्ज मोबाइलों के IMEI नंबर का तकनीकी विश्लेषण कर लगातार पतासाजी की गई तथा विभिन्न जिलों एवं अन्य राज्यों में संबंधित मोबाइलों के संबंध में फॉलोअप करते हुए उनकी बरामदगी सुनिश्चित की गई।

इस कार्रवाई में पुलिस टीम द्वारा प्राप्त तकनीकी जानकारी पर लगातार कार्य करते हुए मोबाइलों की पहचान, सत्यापन एवं बरामदगी की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में नागरिकों की गुम हुई संपत्ति उन्हें वापस मिल रही है। दुर्ग पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि मोबाइल फोन गुम होने पर पुलिस को सूचना देने के साथ CEIR पोर्टल पर IMEI नंबर दर्ज कराएं। मोबाइल फोन मिलने की स्थिति में उसे अपने पास रखने अथवा उसका अनुचित उपयोग करने के बजाय पुलिस को सौंपना नागरिक दायित्व है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मोहम्मद अब्दुल राहिल पिता मोहम्मद शमीम निवासी मकान नं. 75 साईं बाबा मंदिर गली, इतवारी बाजार के पीछे, पोस्ट आफिस वार्ड नं. 27, धमतरी, जिला धमतरी (छ. ग.) पिन कोड 493773 यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम मोहम्मद राहिल पिता मोहम्मद शमीम रख लिया हूं। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम मोहम्मद राहिल पिता मोहम्मद शमीम से ही जाना व पहचाना जावे।

मोहम्मद राहिल

पता - मकान नं. 75 साईं बाबा मंदिर गली, इतवारी बाजार के पीछे, पोस्ट आफिस वार्ड नं. 27, धमतरी, जिला धमतरी (छ.ग.) पिन कोड 493773

खास खबर

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर बस्तर में वीर वन शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

रायपुर। बस्तर के मुख्य वन संरक्षक कार्यालय परिसर में आज राष्ट्रीय वन शहीद दिवस श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वनों, वन्यजीवों और राष्ट्रीय संपदा की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले बस्तर संभाग के वीर वन शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शहीदों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और त्याग का स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में जगदलपुर वन वृत्त की मुख्य वन संरक्षक सुश्री स्टाइलो मंडावी ने अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सुकमा वनमंडल में कर्तव्य निर्वहन के दौरान वीरगति को प्राप्त शहीद वनपाल स्व. श्री हरिबंधु की धर्मपत्नी श्रीमती सुखाय बाई को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में बस्तर के वन क्षेत्रों में नक्सल हिंसा के बीच भी अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटने वाले वीर वनकर्मियों के साहस और बलिदान को विशेष रूप से याद किया गया। 31 जनवरी 1993 को किरन्दुल-पालनार मार्ग पर नक्सलियों के हमले में कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले शहीद वनपाल स्व. श्री हरिबंधु एवं शहीद वनरक्षक स्व. श्री रामेश्वर पाण्डेय की शहादत को नमन किया गया। इसी प्रकार 27 सितंबर 2010 को सुकमा वनमंडल में शासकीय कार्य के दौरान अपहृत कर नक्सलियों द्वारा निर्मम हत्या के शिकार हुए शहीद वनरक्षक स्व. श्री जगदीशचंद्र मरकाम के बलिदान का स्मरण किया गया। लोकसभा निर्वाचन 2014 के दौरान 12 अप्रैल 2014 को बीजापुर के ग्राम केतुलनार में बस पर हुए आईईडी विस्फोट में देश सेवा करते हुए वीरगति को प्राप्त शहीद वनपाल स्व. श्री व्ही.पी. शास्त्री एवं शहीद वनपाल स्व. श्री अंगनपल्ली पाण्डू को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नारायणपुर के 13 हजार से अधिक स्कूली बच्चों को अब प्रतिदिन स्कूल में मिलेगा मुफ्त पौष्टिक भोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। जिले के अबूझमाड़ के प्रवेश द्वार नारायणपुर में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और नियमित शिक्षा की दिशा में एक नई और क्रांतिकारी शुरुआत हुई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत जिले के प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 13 हजार से अधिक विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क पौष्टिक नाश्ता योजना का शुभारंभ किया गया।

इसके साथ ही जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को कुपोषण से पूरी तरह मुक्त करने के उद्देश्य से पौष्टिक लड्डू वितरण कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई। जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंक राम वर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप ने इस दूरगामी पहल का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया और स्वयं अपने हाथों से नन्हे-मुन्ने

बच्चों को स्वादिष्ट एवं पौष्टिक नाश्ता परोसकर उनका उत्साहवर्धन किया।

यह महत्वाकांक्षी पहल नारायणपुर और ओरछा (अबूझमाड़) विकासखंड के कुल 476 विद्यालयों में लागू की जा रही है, जिससे 13 हजार 15 स्कूली बच्चे सीधे लाभान्वित होंगे। योजना के तहत हर विद्यार्थी को प्रतिदिन 150 ग्राम ताजा और सेहतमंद नाश्ता दिया जाएगा। बच्चों के स्वाद और पोषण का विशेष ध्यान रखते हुए दिन के हिसाब से एक संतुलित मेन्यू तय किया गया है, जिसमें पोहा-फलीदाना, सूजी का उपमा, दलिया, चना, खड़ा मूंग और मूंगफली जैसे प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ शामिल हैं। भोजन तैयार करने वाली व्यवस्था को मजबूती देने के लिए जिले के 676 रसोइयों को 800 रुपये प्रतिमाह का अतिरिक्त मानदेय भी दिया जा रहा है, जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। इससे नौनिहालों को कुपोषण के चक्र से बाहर निकाला जा सकेगा।

डीरेगुलेशन और अनुपालन का बोझ कम करने नेगेटिव लिस्ट आधारित व्यवस्था

छत्तीसगढ़ में भूमि उपयोग नियम हुआ लचीला और व्यावहारिक, विकास होगा आसान : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विकास गतिविधियों को गति देने और भूमि उपयोग से जुड़ी प्रक्रियाओं को अधिक सरल, स्पष्ट एवं व्यावहारिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। आवास एवं पर्यावरण विभाग ने छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्तावित संशोधन में विभिन्न भूमि उपयोग श्रेणियों के लिए नेगेटिव लिस्ट आधारित व्यवस्था अपनाने का प्रावधान किया गया है। यह पहल केंद्र सरकार के डीरिगुलेशन और अनुपालन बोझ कम करने के व्यापक सुधारों के अनुरूप है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का निरंतर प्रयास है कि नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों के लिए नियमों और प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए तथा विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो। भूमि उपयोग नियमों में प्रस्तावित संशोधन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे बदलती जरूरतों के अनुरूप विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सुविधा होगी तथा प्रदेश में निवेश, रोजगार और अधोसंरचना विकास को गति मिलेगी।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य

नियमन को समाप्त करना नहीं, बल्कि उसे अधिक स्पष्ट, सरल, लचीला और परिणामोन्मुख बनाना है। नेगेटिव लिस्ट आधारित व्यवस्था के माध्यम से प्रतिबंधित गतिविधियों को स्पष्ट रूप से निर्धारित किया जाएगा, जबकि अन्य गतिविधियों के लिए अनावश्यक नियामकीय बाधाएं कम होंगी। इससे बदलती आर्थिक एवं सामाजिक जरूरतों के अनुरूप भूमि उपयोग व्यवस्था अधिक व्यावहारिक बनेगी।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन@2047 के अनुरूप और भारत सरकार के डीरिगुलेशन एवं ईज ऑफलिविंग से जुड़े सुधारों की दिशा में छत्तीसगढ़ लगातार नीतिगत सुधार कर रहा है। आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा पिछले दो वर्षों में ग्रामीण और शहरी विकास को गति देने के लिए अनेक सुधार किए गए हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियमों में प्रस्तावित यह बदलाव प्रदेश के आवासीय, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक विकास को नई गति देगा।

उन्होंने कहा कि इस सुधार से मास्टर प्लान में निर्धारित विभिन्न भूमि उपयोगों को अधिक लचीला, व्यावहारिक और समयानुकूल बनाया जा सकेगा।

इसका लाभ आम नागरिकों को भी मिलेगा और भूमि उपयोग से संबंधित प्रक्रियाओं में आने वाली कठिनाइयों को कम करने का मार्ग प्रशस्त होगा। नई व्यवस्था का उद्देश्य विकास की संभावनाओं को बढ़ाने के साथ-साथ नियोजित विकास और आवश्यक प्रतिबंधों के बीच संतुलन स्थापित करना है।

प्रतिबंधित गतिविधियों की स्पष्ट सूची, अन्य गतिविधियों के लिए व्यापक अवसर

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार विभिन्न भूमि उपयोग श्रेणियों में केवल निर्धारित निषिद्ध गतिविधियों को प्रतिबंधित किया जाएगा। संबंधित भूमि उपयोग श्रेणी की नेगेटिव लिस्ट में शामिल नहीं होने वाली गतिविधियों को अनुमत माना जाएगा। इससे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य में विकसित होने वाली नई गतिविधियों के लिए भी अधिक व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। प्रस्ताव में आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, सार्वजनिक एवं अर्द्ध-सार्वजनिक, परिवहन, आमोद-प्रमोद तथा कृषि भूमि उपयोग के लिए अलग-अलग निषिद्ध गतिविधियों की सूची निर्धारित की गई है। इससे प्रत्येक क्षेत्र की प्रकृति, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और विकास की जरूरतों के अनुरूप स्पष्ट नियामकीय व्यवस्था विकसित होगी।

आवासीय भूमि उपयोग के अंतर्गत प्रदूषणकारी उद्योगों, बड़े भंडारण, कबाड़खानों, संक्रामक रोग अस्पताल, कारागार, बड़े परिवहन टर्मिनल, थोक व्यापार, तेल डिपो, पेट्रोलियम एवं ज्वलनशील पदार्थों के भंडारण, गैस गोदाम, पशुपालन एवं मछली पालन, डेयरी एवं कुक्कुट पालन, दाह संस्कार/कब्रिस्तान तथा खनन जैसी गतिविधियों को निषिद्ध रखा गया है।

एक पेड़ मां के नाम से प्रकृति के साथ ही मातृ संरक्षण का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी को बढ़ावा देने और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश देते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सक्ती जिले के ग्राम जेठा स्थित कॉलेज ग्राउंड में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कदम का पौधा और मुख्यमंत्री श्री साय ने बादाम का पौधा रोपित किया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के विस्तार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान मातृ सम्मान की भावना को प्रकृति संरक्षण के संकल्प से जोड़ता है। अभियान के माध्यम से लोगों को अपनी माँ के सम्मान में पौधा लगाने के साथ ही उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पौधरोपण के साथ पौधों की देखभाल और उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करने की जिम्मेदारी का भाव भी इस अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

यह अभियान पर्यावरण संरक्षण को केवल शासकीय प्रयास तक सीमित न रखते हुए उसे जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देने की पहल है।

अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता से हरियाली बढ़ाने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण का संदेश अभियान के माध्यम से दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के माध्यम से देशभर में नागरिकों को पौधरोपण से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में सक्ती जिले में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान और मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा किया गया पौधरोपण प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देता है।

विकास कार्यों में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं, समय पर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें अफसर : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रदेश में जनसुविधा से जुड़े विकास एवं निर्माण कार्यों को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। अनावश्यक देरी और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी निर्माणाधीन कार्यों की नियमित निगरानी करें और जहां भी कार्य की गति धीमी है, वहां बाधाओं को तत्काल दूर कर काम में तेजी लाएं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत खामभाठा क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल के कारण स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी को गंभीरता से लिया। उन्होंने गरियाबंद कलेक्टर रणबीर शर्मा से चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली और निश्चित समयसीमा तय कर पुल का निर्माण गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही लेटलतीफी के लिए जिम्मेदार

अधिकारियों से जवाब तलब करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पुल का निर्माण पूरा होने तक स्कूली बच्चों और क्षेत्रवासियों को किसी भी परिस्थिति में जोखिम उठाकर आवागमन न करना पड़े, इसके लिए तत्काल सुरक्षित और सुगम वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्माणाधीन पुल स्थल पर सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध तत्काल करने के निर्देश दिए। उन्होंने खुले एवं खतरनाक तरीके से लगे सरियों को सुरक्षित करने, गहरे गड्ढों और अन्य जोखिमपूर्ण स्थानों को दुरुस्त करने तथा आवश्यकता के अनुसार बैरिकेडिंग सहित सभी जरूरी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण में आ रही बाधाओं का तत्काल समाधान किया जाए और कार्य में तेजी लाई जाए। अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा यह सुनिश्चित करें कि स्वीकृत विकास कार्यों का लाभ नागरिकों को निर्धारित समय पर मिले। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुविधा और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

अपनी कार्यसंस्कृति ठीक करें अफसर : साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दंतेवाड़ा में लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। श्री साव ने अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों से कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को अपनी कार्य शैली और कार्य संस्कृति में बदलाव लाते हुए परिणाम आधारित कार्य करने के निर्देश दिए।

चार शहरों में तालाबों के लिए 22 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के 4 शहरों में तालाबों के पुनर्जीवन के लिए 22 करोड़ 18 लाख रुपए मंजूर किए हैं। नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण और पारंपरिक जल स्त्रोतों को सहेजने मिशन अमृत 2.0 के तहत बेमेतरा, जशपुर, डोंगरगढ़ और कांकेर के लिए यह राशि स्वीकृत की गई है। राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा चारों शहरों में इन कार्यों के लिए आज प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। मिशन अमृत (अटल शहरी नवीकरण एवं परिवर्तन मिशन) 2.0 के तहत सूडा द्वारा जशपुर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-9 में सती तालाब के पुनर्जीवन के लिए 4 करोड़ 17 लाख रुपए, कांकेर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-19, अघननगर में दुधावा तालाब के लिए 5 करोड़ 4 लाख रुपए, अहिवारा नगर पालिका में छटवा तालाब के लिए 9.60 करोड़ रुपए तथा डोंगरगढ़ नगर पालिका में सिंघोला बांधा तालाब के पुनर्जीवन के लिए 3.38 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इसमें 5 वर्षों के संचालन एवं संधारण के प्रावधान शामिल है।

दो लाख से अधिक परिवारों को मिली खुशियों की चाबी, किया स्व-गृह प्रवेश

- बालोद जिले के 4000 से अधिक हितग्राहियों ने मनाया गृह प्रवेश उत्सव
- केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

बालोद। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, पीएम जनमन एवं विशेष परियोजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में निर्मित नए आवासों का राज्य स्तरीय गृह प्रवेश समारोह आज 11 सितम्बर 2026 को सक्ती जिले में आयोजित किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में भारत सरकार के केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं कल्याण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने की। इस अवसर पर दोनों अतिथियों द्वारा प्रतीकात्मक रूप से 02 लाख से अधिक हितग्राहियों को उनके पक्के मकानों में 'खुशियों की चाबी' सौंपकर गृह प्रवेश कराया गया।

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत सुनील कुमार चन्द्रवंशी के मार्गदर्शन में 11 सितम्बर को जिले के समस्त विकासखण्डों में सामूहिक रूप से अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन कर ग्रामीण अंचलो में गृह प्रवेश का यह उत्सव पारंपरिक रीति-रिवाजों और लोक परंपराओं के साथ मनाया गया।

इस विशेष अवसर पर बालोद जिले के 4000 से अधिक आवासों के लाभार्थियों के नए घरों को दीपों से रोशन कर उनके आंगनों को आकर्षक रंगोली से सजाकर जिले में एक उत्सव का माहौल तैयार किया गया। गृह प्रवेश के इस गरिमामय अवसर पर सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जिले एवं सभी जनपद स्तर के जनप्रतिनिधियों को सादर आमंत्रित किया गया था। जिनकी गरिमामय उपस्थिति में हितग्राहियों ने अपने नवीन पक्के मकानों में विधिवत प्रवेश किया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान सभी पात्र हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों के करकमलों से सम्मानपूर्वक 'आभार पत्र, 'खुशियों की चाबी' एवं 'स्मृति चिन्ह' भेंट किए गए।

इसी प्रकार स्वयं के पक्का मकान हर गरीबों को मिले इसके लिए कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत श्री सुनील कुमार चन्द्रवंशी के मार्गदर्शन में हितग्राहियों को पक्का आवास निर्माण करने में हर संभव मदद की जा रही है।

साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से उन लोगों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिनका आवास निर्माणाधीन है जिससे वे जल्द से जल्द अपने आवास का निर्माण पूर्ण कर सकें। हितग्राहियों के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत् पक्का मकान मिलने एवं गृह प्रवेश के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति सहृदय आभार व्यक्त किया गया।

महासमुंद में 10,903 परिवारों को मिला घर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत जिले में 10,903 आवास पूर्ण होने के साथ हितग्राही परिवारों ने अपने नए आशियाने में पारंपरिक रीति रिवाजों के साथ गृह प्रवेश किया। इनमें महासमुंद में 2,921, बागबाहरा विकासखंड में 2,221, पिथौरा में 2,967, बसना में 1,132 तथा सरायपाली में 1,662 आवास शामिल हैं। आज केन्द्रीय एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज चौहान द्वारा सक्ती जिला में आयोजित कार्यक्रम में राज्यभर के प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास हितग्राहियों को चाबी सौंपी गई।

'टीस' से लेकर 'हण्डा' की प्रस्तुति तक रंग परब का यादगार समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित 'रंग परब' नाट्य श्रृंखला का अंतिम दिन हिंदी नाटक और छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के नाम रहा। मुक्ताकाशी मंच पर आयोजित समापन दिवस में 'टीस' और 'हण्डा' नाटकों ने दर्शकों को भावनाओं, सामाजिक सरोकारों और लोक संस्कृति के विविध रंगों से जोड़ा। दोनों प्रस्तुतियों में कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय, संवाद और मंचीय अभिव्यक्ति के माध्यम से रंगमंच की विविधता और उसकी सामाजिक भूमिका को प्रभावी ढंग से सामने रखा।

अंतिम दिन की पहली प्रस्तुति हिंदी नाटक 'टीस' की रही। आचार्य रंजन मोडक, लोकेश साहू एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत इस नाटक ने मानवीय संवेदनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को मंच पर प्रभावशाली ढंग से उकेरा। कलाकारों ने अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से पात्रों की भावनात्मक

स्थितियों को जीवंत किया। प्रस्तुति में मानवीय भावनाओं के साथ सामाजिक परिस्थितियों और जीवन से जुड़े संवेदनशील पक्षों को इस तरह सामने रखा गया कि दर्शक नाटक से भावनात्मक रूप से जुड़ते चले गए।

'टीस' की प्रस्तुति की विशेषता कलाकारों की सहज और प्रभावशाली अभिनय शैली रही। मंच पर पात्रों की भावनाओं, संवादों और घटनाक्रम के बीच बेहतर तालमेल ने नाटक को प्रभावशाली बनाया। प्रस्तुति ने यह रेखांकित किया कि रंगमंच केवल कहानी कहने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को दर्शकों तक सीधे पहुंचाने वाली सशक्त कला विधा भी है।

'टीस' के बाद लोकनाट्य 'हण्डा' की प्रस्तुति ने पूरे माहौल को छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन के रंगों से सराबोर कर दिया। श्री चंद्रशेखर चकोर, दल प्रमुख एवं निर्देशक, गुड़ी चऊंरा के दल द्वारा प्रस्तुत इस लोकनाट्य में लोक जीवन, परंपरा और ग्रामीण परिवेश की जीवंत झलक देखने को मिली। कलाकारों ने लोकभाषा, अभिनय और पारंपरिक रंगमंचीय शैली के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा को मंच पर जीवंत किया।

लोकनाट्य की प्रस्तुति के दौरान कलाकारों की ऊर्जा और पारंपरिक शैली ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। 'हण्डा' के माध्यम से लोक जीवन से जुड़े प्रसंगों और सांस्कृतिक परंपराओं को सहज एवं प्रभावी अंदाज में प्रस्तुत किया गया।

संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कनौजे ने कहा कि नाटक केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की वास्तविक तस्वीर सामने रखने वाली सशक्त विधा है। रंगमंच के माध्यम से कलाकार जीवन के विभिन्न पहलुओं, संवेदनाओं, संघर्षों और सामाजिक सरोकारों को प्रभावी ढंग से दर्शकों तक पहुंचाते हैं। नाटक दर्शकों को केवल पात्र से जोड़ता ही नहीं, बल्कि उन्हें सोचने, समझने और सकारात्मक बदलाव की दिशा में प्रेरित भी करता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950